डाक पंजीयन नं. (AD-99/2021-2023)

website:www.aadhuniksamachar.com

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From Google Play Adhunik Samachar

वर्ष-12 अंक-02 | प्रयागराज, रविवार 14 जनवरी 2024 से शनिवार 20 जनवरी 2024 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्य: 3 रूपये

याद रहेगी ये मुलाकात

सुबह जब हाथ में आता है अखबार तो अक्सर बच्चों के लिए कई सवाल भी साथ लेकर आता है अखबार छपता कैसे है कितना वक्त लगता है और रि लोगो तक पहुँचाता कैसे है

अरे मैने तो अखबार को छपते देखा है।

राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान,खागा की अनुदशिका इंजीनियर अर्चना सरोज के साथ विधार्थीयों ने आधुनिक समाचार पब्लिशंग हाउस का भ्रमण कर अखबार बनने सें लेकर छपने तक की प्रकिया जानी ।

समस्त जनपद वासीयों को नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

मेरी लूकस स्कूल एण्ड कालेज प्रयागराज

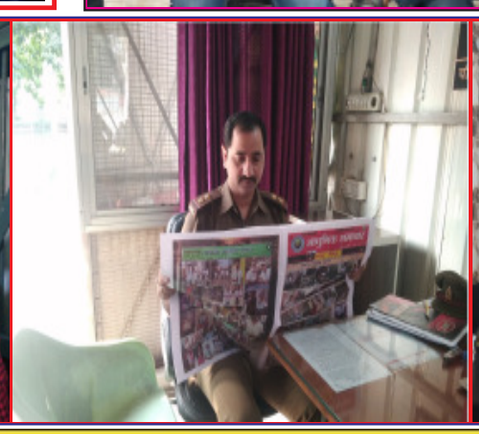

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर एण्ड सेफ्टी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन इंजीनियर, सिस्टम सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी मैनेजमेन्ट के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा
उत्तर प्रदेश

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

समस्त क्षेत्रवासीयों को नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

प्राण प्रतिष्ठा के लिए आखिर 22 तरीख ही क्यों साक्षात्कार के दौरान अभ्यर्थी से पूछा सवाल

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के इंटरव्यू में बृहस्पतिवार को अभ्यर्थियों से राम मंदिर से जुड़े प्रश्न पूछे गए। साथ ही प्रशासनिक और देश की अर्थव्यवस्था पर भी भावी अफसरों की राय जानी गई। अयोध्या में रामलला के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को ही क्यों की जा रही है राम मंदिर निर्माण में किन पत्थरों का प्रयोग किया गया है' यह सवाल पीसीएस-2023 के इंटरव्यू के दौरान चौथे दिन यानी बृहस्पतिवार को पूछा गया। इंटरव्यू के चौथे दिन में छह बोर्ड बैठे, जिन्होंने 90 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। इंटरव्यू के दौरान अयोध्या के साथ महिला सशक्तिकरण और इसके विविध पहलुओं से जुड़े सवालों की संख्या अधिक रही। साथ ही कृषि से संबंधित सवाल भी किए गए। परिस्थिति आधारित सवालों का भी अभ्यर्थियों को जवाब देना पड़ा। विषयों से जुड़े सवाल बहुत कम पूछे गए।अभ्यर्थियों से कृषि से संबंधित कई सवाल पूछे गए। मसलन, 'नेचुरल फार्मिंग क्या है और इसे कैसे बढ़ावा दिया जा सकता है 'महिलाओं का कृषि में क्या योगदान रहा है 'कृषि से

जुड़े तीनों कानूनों को क्या वापस लेना चाहिए था' एक अभ्यर्थी से परिस्थिति आधारित सवाल किया गया कि आप एसडीएम हैं और आपके क्षेत्र में इंडस्ट्रियल डिजास्टर होता है तो उससे कैसे निपटेंगे महिलाओं से जुड़े सवाल भी पूछे गए एक अभ्यर्थी से सवाल किया गया कि यूपी में जिस तरह की चुनौतियां हैं, उनसे निपटने के लिए प्रशासक में क्या गुण होने चाहिए महिलाओं से जुड़े सवाल पूछे गए कि परिवार बनाने में महिलाओं का क्या योगदान होता है महिला सशक्तीकरण के लिए क्या करेंगी प्रदेश में महिला उत्पीड़न के मामलों में कमी कैसे लाई जा सकती है वहीं, एक अभ्यर्थी से सवाल किय गया कि अगर आप डिप्टी जेलर हैं तो जेल सुधार के लिए आपने क्या कदम उठाएंगे बंदियों को सुधारने के लिए बेहतर तरीका क्या है एक सवाल यह भी पूछा गया कि एसडीएम बने तो शहीदों के परिवार वालों के लिए क्या करेंगे क्या किसी को शहीद का दर्जा दे देना काफी है एक अभ्यर्थी से सवाल किया गया कि एसडीएम बने तो माध्यमिक शिक्षा में किस तरह सुधार लाएंगे पीसीएस-2023 की इंटरव्यू प्रक्रिया 12 जनवरी को पूरी हो जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रारंभिक परीक्षा से लेकर इंटरव्यू तक की प्रक्रिया आठ माह में पूरी कर लेगा, जो एक रिकॉर्ड है। पीसीएस के 254 पदों पर भर्ती के लिए इंटरव्यू आठ जनवरी से शुरू हुए थे।

रामलला के मित्र की आई याद, बर्मिंघम में बेटी के घर उत्सव, बेटी और नतिनी जाएंगी अयोध्या

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। विहिप के महामंत्री चंपत राय ने डॉ. मीनू अग्रवाल को न्योता भेजने के बाद फोन पर बात कर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने की खुशखबरी दी। इसके बाद मीनू के घर में उनके रिश्तेदारों और भारतीय मूल के परिचितों की ओर से बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया है। जन्मभूमि पर 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर रामलला की मुक्ति के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करने वाले इकलौते मित्र जस्टिस देवकीनंदन अग्रवाल की याद आयोजकों को आई है। जन्मभूमि की मुक्ति के लिए रामलला विराजमान के सखा के रूप में मुकदमा दाखिल करने वाले न्यायमूर्ति देवकी नंदन अब इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन बर्मिंघम में रहने वाली उनकी पुत्री डॉ. मीनू अग्रवाल अपनी पुत्री के साथ अयोध्या के समारोह में विशिष्ट मेहमान बनकर आएंगी। विहिप के महामंत्री चंपत राय ने डॉ. मीनू अग्रवाल को न्योता भेजने के बाद फोन पर बात कर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने की खुशखबरी दी। इसके बाद मीनू के घर में उनके रिश्तेदारों और भारतीय मूल के परिचितों की ओर से बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया है। बर्मिंघम के सटरन कोर्ट फील्ड

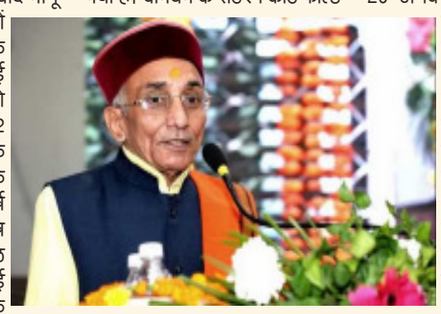

स्थित उनके घर में उत्सव का माहौल है। रामलला विराजमान की ओर से जन्मभूमि की मुक्ति के लिए उनके पिता ने आजीवन मुकदमा लड़ा था। अब जब गर्भगृह में रामलला के बालरूप की प्राण-प्रतिष्ठा का शुभ दिन तय हो गया है, तब उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है।फोन पर अमर उजाला से बातचीत में 78 वर्षीया मीनू ने बताया कि कोरोना काल के बाद से ही तबीयत ठीक नहीं रह रही है, लेकिन इस खुशी के मौके पर कई गुना ताकत बढ़ गई है। कदम रुक नहीं रहे हैं। वह अपनी बेटी अनुराग के साथ अयोध्या आएंगी। 20 जनवरी को उनकी फ्लाइट दिल्ली पहुंचेगी। वहां से वह सबसे पहले अपने भाई विभव अग्रवाल के घर जाएंगी। वहां से 21 को वह अयोध्या टैक्सी से जाएंगी। वहां मंदिर के पास ही अरविंदो आश्रम में उनके रहने का इंतजाम किया गया है। डॉ. मीनू 1965 में शादी होने के बाद से ही बर्मिंघम में रह रही हैं। न्यायमूर्ति देवकी नंदन अग्रवाल राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के इतिहास के उन अमर नायकों में शामिल हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। विहिप नेता राजीव मिश्रा बताते हैं कि न्यायमूर्ति देवकीनंदन की कोशिशों से ही अदालत में फैसला मंदिर के पक्ष में आया और राममंदिर के लिए भूमि अधिग्रहण का भी मार्ग प्रशस्त हो सका था।

तलाक नहीं तो कर्मचारी की पहली पत्नी को ही पेंशन का अधिकार, दूसरी पत्नी का दावा खारिज

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने रजनी रानी की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी ही पति की मौत के बाद पारिवारिक पेंशन आदि पाने की हकदार है। कोर्ट ने पत्नी की तरह साथ रहने वाली याची को राहत देने से इन्कार करते हुए याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि गुजारा भत्ते पर समझौता होने से यह नहीं कह सकते कि पत्नी ने पति की मौत के बाद सेवानिवृत्ति परिलाभों का दावा छोड़ दिया है। कोर्ट ने कहा पति से अलग रहने के बावजूद सेवा पंजिका में वह नामित है और दोनों के बीच तलाक न होने के कारण वह पत्नी है। कानूनन मृतक कर्मचारी के सेवा परिलाभ वारिस को पाने का हक है।यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने रजनी रानी की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी ही पति की मौत के बाद पारिवारिक पेंशन आदि पाने की हकदार है। कोर्ट ने पत्नी की तरह साथ रहने वाली याची को राहत देने से इन्कार करते हुए याचिका खारिज कर दी। याची का कहना था कि उसके पति भोजराज 30 जून 21 को सेवानिवृत्त हुए और दो अक्तूबर को मौत हो गई। वह महाराजा तेज सिंह जूनियर हाईस्कूल औरंध, सुल्तानगंज, मैनपुरी में सहायक अध्यापक थे। याची के मुताबिक लंबे समय से वह पत्नी के रूप में साथ रहती थी। पहली पत्नी बहुत पहले ही घर छोड़ कर चली गई थी। उसने गुजारे भत्ते का दावा किया और समझौता भी हो गया। इसके बाद पहली पत्नी ने गुजारे का कोई दावा नहीं किया। इस प्रकार उन्होंने पति के सेवानिवृति परिलाभों पर अपना दावा छोड़ दिया था। कोर्ट ने इस तर्क को सही नहीं माना और कहा कि पत्नी को पति के सेवानिवृति परिलाभ पाने का अधिकार है। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

सीएम योगी बोले : संतों-कल्पवासियों को मिलें बेहतर सुविधाएं, बनाएं सुरक्षित स्नान घाट

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समय रहते सुरक्षित स्नान घाटों का निर्माण कराने और भूमि का समतलीकरण कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के तहत प्रयागराज से अयोध्या जाने वाले मार्गों से अतिक्रमण हटाने की भी हिदायत दी। माघ मेले की तैयारियों के बाबत सीएम ने अफसरों से जानकारी ली। सीएम ने माघ मेले को प्लास्टिक फ्री बनाने का निर्देश दिया। साथ ही श्रद्धालुओं को प्लास्टिक में फूल तथा अन्य पूजन सामग्री न लाने के लिए प्रेरित करने को भी कहा। सीएम ने अफसरों से कहा कि माघ मेले में आए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो

इसके लिए उनको सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध तरीके से मुहैया कराई जाए। साथ ही भूमि समतलीकरण कराकर स्नान घाटों का सुरक्षित निर्माण कराने को कहा। सीएम ने मेले की सुरक्षा की संपूर्ण व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने मकर संक्रांति स्नान पर्व पर स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाने की हिदायत दी। कहा कि इसके लिए 14 जनवरी को युवाओं को जोड़ते हुए शहर से लेकर ग्राम पंचायतों तक विशेष अभियान चलाया जाए।स्वच्छता के दृष्टिगत लोगों को प्रेरित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रचार - प्रसार की व्यवस्था करते हुए प्रदेश की पॉलिसी के मैसेजेज डिजिटल डिस्प्ले में निरंतर चलाते रहने के भी निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गंगा-यमुना में निरंतर बोट पेट्रोलिंग कराने और नावों पर सवार व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट पहनना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। सीएम ने 22 जनवरी को सभी सरकारी कार्यालयों में विशेष लाइट की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। अयोध्या में 22 जनवरी को हो रहे प्राण- प्रतिष्ठा समारोह में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सीएम ने ग्रीन कॉरिडोर विकसित करने के निर्देश दिए। इसके तहत प्रयागराज से कौशाम्बी - प्रतापगढ़ होते हुए अयोध्या तक जाने वाले मार्ग पर से सभी अतिक्रमण को हटाते हुए इसे पूर्णतः साफ रखने और उच्च कोटि के साइनेज लगाने के निर्देश दिए।

राम मंदिर : कार सेवकों पर गोलियों की बौछार के बीच रामकृपा से बची थी जान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मन में उठा ज्वार श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन की तरफ धकेलने लगा, लेकिन ओएनजीसी के भू-वैज्ञानिक के रूप में कर्तव्य आड़े आ रहे थे। भगवान राम के प्रति उपजे समर्पण और सेवा भाव ने अंततः ने एक वर्ष बाद त्यागपत्र स्वीकार कर लिया। इसके बाद 1988 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रयाग महानगर प्रचारक का दायित्व मिला। मेरी स्मृति में 1990 का वह विशाल जनसमूह आज भी तैरता है, जब शिला पूजन के लिए लंबा कारवां अयोध्या की ओर पहली तारीख थी, जब हम भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या पहुंच गए। सायंकाल का समय था मणिराम छावनी परिसर में अशोक सिंघल दो नवंबर 1990 को राम जन्मभूमि परिसर घेरने का आह्वान कर रहे थे। छावनी में एकत्र जनसमूह इतना विशाल था

भूवैज्ञानिक पद से त्यागपत्र दिलवा दिया। प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का उल्लास देखकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम यादव भावुक हो उठते हैं। वह बताते हैं कि 1987 में असम के शिवसागर में वह ओएनजीसी में भूगर्भ वैज्ञानिक के पद पर तैनात थे। उसी समय आरएसएस के शिविर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सर संघ चालक बाला साहब देवरस ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का ताला खुलने की जानकारी दी थी। इस समाचार से मन में अलौकिक स्पंदन हुआ और नेत्र सजल हो उठे थे। वह खुशी का ऐसा भाव था जिसे व्यक्त कर पाना कठिन है। मन में उठा ज्वार श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन की तरफ धकेलने लगा, लेकिन ओएनजीसी के भू-वैज्ञानिक के रूप में कर्तव्य आड़े आ रहे थे। भगवान राम के प्रति उपजे समर्पण और सेवा भाव ने अंततः भूवैज्ञानिक पद से त्यागपत्र दिलवा दिया। ओएनजीसी चल पड़ा। प्रयाग में लाखों के जन ज्वार का नेतृत्व स्वामी वासुदेवानंद कर रहे थे। संघ के प्रचारक के रूप में इस पुनीत कार्य की व्यवस्था का जिम्मा मुझ पर भी था। इस विशाल जनसमूह में फाफामऊ में ही अधिकांश को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन कुछ लोग अयोध्या पहुंचने में सफल रहे। 29 अक्तूबर 1990 को कारसेवकों की विदाई के बाद 31 अक्तूबर 1990 को प्रयाग से सात कार्यकर्ता गावों के मार्ग से अयोध्या कारसेवा के लिए निकल पड़े। 90 किलोमीटर का यह मार्ग हम सबके लिए अपरिचित था, लेकिन राम कृपा से निर्बाध रूप से चलते गए। रास्ते के गांवों में भक्तों ने हमको भगवान राम के सेवक की तरह मानकर सेवा की।31 अक्तूबर को रास्ते में अयोध्या पहुंचे कार सेवकों की ओर से बाबरी ढांचे के गुंबद के ऊपर विजय ध्वज फहराए जाने की सूचना मिली। इस सूचना ने मन में असीम साहस एवं ऊर्जा का संचार किया। नवंबर की कि गेट से प्रवेश कर पाना संभव नहीं था। इसलिए हम लोग बाउंड्री के सहारे छत पर जाकर आंदोलन के नायक अशोक सिंघल का उद्बोधन सुनने लगे। दो नवंबर को योजनानुसार हनुमान गढ़ी वाले मुख्य मोर्चे में कारसेवा के लिए हम लोग आगे बढ़ गए। हम लोग मुख्य सड़क पर प्रवेश करने ही वाले थे कि छतों के ऊपर से गोलियों की बौछार होने लगी। प्रभु श्रीराम को मुझसे कुछ और भी कार्य करवाना था, ऐसे में दैवीय संयोगवश मैं बच गया। कारसेवकों के संकल्प एवं धैर्य में कोई कमी नहीं आई। करीब घंटे भर बाद परमहंस महंत रामचंद्रदास महाराज की जीप आई और शहीद कोठारी बंधुओं के शवों सहित घायल कार सेवकों को ले गई। इसके बाद हम धीरे-धीरे पुलिस से बचते हुए छिपते हुए कारसेवकपुरम पहुंच गए। तीन नवंबर को सरकार से हुए समझौते के अनुसार हम लोगों को रोडवेज की बसों से प्रयागराज भेज दिया गया।

कूलीवाले स्टार्टअप यात्रियों के लिए साबित होगा वरदान, रेट की मिलेगी जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। साथ ही इसमें पंजीकृत कूली की पूरी जानकारी भी उपभोक्ता को मिल सकेगी। एप में रीयल टाइम लोकेशन, डिजिटल पेमेंट, ईटीए, कस्टमर सपोर्ट के साथ ही मल्टी लैंग्वेज की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। एमएनएनआईटी के बीटेक के छात्रों ने यात्रियों की सुविधा के लिए अपना स्टार्टअप तैयार किया है। इसका नाम कूलीवाले रखा है। एमएनएनआईटी के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र उत्सव गुप्ता और ऋषभ सिंह ने इस एप को तैयार किया है और रेलवे के साथ मिलकर स्टेशन पर कूली संघ के साथ करार किया है। इस एप के जरिए यात्रियों को कूली बुक करने से लेकर उनके रेट आदि की सभी जानकारी मिलेगी। साथ ही इसमें पंजीकृत कूली की पूरी जानकारी भी उपभोक्ता को मिल सकेगी। एप में रीयल टाइम लोकेशन, डिजिटल पेमेंट, ईटीए, कस्टमर सपोर्ट के साथ ही मल्टी लैंग्वेज की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। किसी भी यात्री को एप के जरिए कूली बुक करने के लिए पहले ऑनलाइन खाता बनाना होगा। इसके बाद यात्री को अपना पीएनआर विवरण, पिकअप और ड्रॉप स्थान, सामान का वजन आदि डालना होगा। इसके बाद सिर्फ एक क्लिक पर कूली

यात्री के पास दो मिनट में पहुंच जाएंगा। उत्सव बताते हैं कि स्टार्टअप की शुरूआत करने की प्रेरणा उनको ओयो के संस्थापक रीतेश अग्रवाल से मिली। उनको नौकरी करने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनना है। मूलरूप से बिहार के रहने वाले उत्सव का कहना है कि बिहार से आने वाले मजदूरों को जिस प्रकार से दिल्ली और मुम्बई जैसे महानगरों में भटकना पड़ता है। इससे उनको बहुत पीड़ा होती है। इस एप से उन मजदूरों को भी मदद मिलेगी। स्टार्टअप के लिए एमएनएनआईटी की तरफ से दो से दस लाख निवेश की तैयारी है। पायलेट प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद 22 जनवरी को वह अपना एप लांच करेंगे।

दो फिट सड़ी हुई छोटी आंत को निकालकर बचाई मरीज की जान, तीन घंटे चली सर्जरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। करीब तीन घंटे चली इस सर्जरी में चिकित्सकों ने महिला के पिछले ऑपरेशन के दौरान पड़े निशान से छेद बनाकर (हार्निया) सड़ी हुई आंत को बाहर निकाला। वहीं इस सर्जरी के बाद महिला अब खतरे से बाहर है। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) में गुरुवार को जनरल सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने प्रतापगढ़ निवासी 38 वर्षीय महिला के पेट से दो फिट सड़ी हुई छोटी आंत को निकालकर उसकी जान बचा ली, जो किसी कारनामे से कम नहीं है। करीब तीन घंटे चली इस सर्जरी में चिकित्सकों ने महिला के पिछले ऑपरेशन के दौरान पड़े निशान से छेद बनाकर (हार्निया) सड़ी हुई आंत को बाहर निकाला। वहीं इस सर्जरी के बाद महिला अब खतरे से बाहर है। महिला को एसआरएन अस्पताल गंभीर स्थिति में 10 जनवरी को लाया गया था। इस दौरान उसके पेट में

तेज दर्द था और मल पास न होने के कारण पस बनने लगा था। चिकित्सकों ने जांच में पाया कि 16 और 19 वर्ष पूर्व महिला ने दो बच्चों को जन्म दिया था। यह दोनों बच्चे सर्जरी से हुए थे। वहीं सर्जरी के दौरान पेट के निचले हिस्से में ऊपर से नीचे के बीच में चीरा लगाया गया और वहीं पर पेट की दीवार में आकर आंत फंस गई। जिससे गंभीर संक्रमण फैलने लगा। महिला के पेट और आंतों में इंफेक्शन के साथ पस बनने लगा था। ऐसे में सर्जरी काफी कठिन थी।जनरल सर्जन डॉ. संतोष सिंह और उनकी टीम डॉ. शेष नाथ, डॉ. उत्कर्ष, डॉ. हर्षित, डॉ. तुफैल ने बृहस्पतिवार की सुबह महिला के सर्जरी की शुरू की। जिसमें पिछले ऑपरेशन के दौरान पड़े निशान से छेद बनाकर (हर्निया) दो फिट से भी ज्यादा अंदर घुस चुकी सड़ी हुई आंत को बाहर निकाला गया। इस ऑपरेशन में तीन घंटे से अधिक समय लगा। वहीं एनेस्थेटिक डॉ. अनिल सिंह, नर्स शांति पाल, ओटी टेक्नीशियन सुनील कुमार और स्टाफ के दो अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अनुप्रिया पटेल फाउंडेशन एवं जिला ओलम्पिक संघ द्वारा एक दिवसीय विंध्य खेल महोत्सव का मा0 केन्द्रीय मंत्री ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार सेवा)

हासीपुरम। 10 जनवरी 2024- विकास खण्ड सीखड़ विकास खंड के ग्राम हासीपुरम में श्री शिवाजी इंटर कालेज के मैदान में अनुप्रिया पटेल फाउंडेशन एवं जिला ओलम्पिक संघ द्वारा एक दिवसीय विंध्य खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ मा0 केंद्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने फीता काटकर किया।इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए मा0 केंद्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जनपद के 12 विकासखंड में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब की कोशिश है कि अधिक से अधिक ग्रामीण बच्चों को जो खेलों में रुचि रखते हैं उन प्रतिभाओं को हम विंध्य खेल महोत्सव के माध्यम से एक मंच उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि खेलने की कोई उम्र नहीं होती है छोटी उम्र में खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न कर ली तो यह आजीवन आदत बन जाती है, क्योंकि बड़ी उम्र में खेलों को अपने जीवन में अपनाना आसान नहीं होता है। उन्होंने कहा कि खेलना हमें मानसिक रूप से स्वस्थ बनाता है और शारीरिक रूप से भी स्वस्थ बनाता है। मा0 केंद्रीय मंत्री ने कहा कि खेल फुर्तीला भी बनाते हैं और हमारे मस्तिष्क में सकारात्मक विचार आते हैं। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि खेलोगे तो खिलोगे। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से अपने जीवन में आने वाली तमाम कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं आप सभी अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें और हम सब आपका उत्साहवर्धन करेंगे।

उन्होंने कहा कि यह उम्र है आपकी खेलों को अपने जीवन का अंग सदैव बनाए रखें और इस उम्र में खेलों में रुचि जारी रखी तो आप सभी जीवन भर स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है और इन्हीं युवाओं के हाथों में देश का भविष्य है आप सभी को देश का नेतृत्व करना है।वालीबाल बालक वर्ग में 16 टीमें बालिका में 4, कबड्डी में 21 टीम बालक, बालिका की 9 टीमें एथलेटिक्स खेलों में बालक और बालिका मिलाकर 170 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कुल 800 खिलाड़ियों ने इस कार्यकम में प्रतिभाग किया। वालीबाल बालक वर्ग में प्रथम स्थान बगहा द्वितीय स्थान भुवालपुर, बालिका वर्ग में प्रथम स्थान बीदापुर द्वितीय स्थान एम एस सी कबड्डी में बालक प्रथम एम एस सी द्वितीय स्थान बीदापुर बालिका वर्ग में एसएससी द्वितीय स्थान इंटर कालेज हासिपुर रहा। एथलेटिक्स 100 मीटर में अनूप कुमार, 200 मीटर में अभय कुमार, 400 मीटर में चंदन यादव, 800 मीटर में दीपक राय, 1500 मीटर में नीरज यादव बालक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं बालिका वर्ग में आंचल, ललिता, आशू यादव, दिव्या पांडे, प्रियंका रही। कार्यक्रम का संचालन बृजेश भूषण सिंह ने किया तथा निर्णायक मंडल में विनय प्रकाश, भोला यादव, अनवर, हुबलाल, नीरज त्रिपाठी आदि रहे। इस अवसर पर जिला कोआपरेटिव बैंक चेयरमैन डॉ जगदीश सिंह पटेल, ब्लाक प्रमुख सीखड़ छत्रपति सत्येंद्र सिंह, भाजपा जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल, जिला ओलंपिक संघ महासचिव एसपी त्रिपाठी, प्रधानाचार्य विवेकानंद द्विवेदी, ग्राम प्रधान प्रभु नारायण सिंह, प्रदेश सचिव रामवृक्ष बिंद, शिव शंकर सिंह, मुकेश सिंह, हर्षित पटेल, संदीप सिंह, सुमित सिंह, आकाश त्रिपाठी, विजय केसरी, राहुल सिंह, विकास सिंह, मनीष सोनकर, धीरज त्रिपाठी, जिला अजीत सिंह प्रमोद पटेल प्रमोद पटेल, प्रशांत शुक्ला उपस्थित रहें।

एनसीआर क्षेत्र में कर्मचारियों ने जगह-जगह किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

ग्रेटर नोएडा। 4 जनवरी 2024 को मजदूर नेता गंगेश्वर शर्मा के ऊपर किए गए जानलेवा हमले के दोषी मैसर्स- मानिताऊ इक्यूपमेंट इण्डिया प्रा0लि0, प्लाट नं0-22 उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा कंपनी प्रबंधन, ठेकेदार, बाहरी गुंडों व मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों के खिलाफ संगीत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करवाने और कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान करवाते हुए कार्य से रोके गए सभी संविदा कर्मचारियों को ड्यूटी पर पुनः बहाली की मांग को लेकर सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी के आह्वान पर आज नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम आदि पूरे एनसीआर क्षेत्र में विभिन्न मल्टीनेशनल कंपनियों के गेटों पर जगह-जगह सीटू से जुड़े कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। वही 4 जनवरी को मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा पर हमले के बाद से मानीताऊ कंपनी पर मजदूर लगातार रात दिन के धरने प्रदर्शन पर बैठे हैं गौरतलब है कि कंपनी में ठेकेदारी का कार्य कर रही कलिंगा कंपनी के मालिक के बेटे के साथ बाउंसरों और गुंडो ने शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे मजदूरों और मजदूर नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा पर जानलेवा हमला किया था जिसमें गंगेश्वर दत्त शर्मा को गंभीर चोटें आई थी अभी भी गंगेश्वर दत्त शर्मा बेड रेस्ट पर चल रहे हैं उनकी पसलियों में भरी दर्द है इसके बावजूद पुलिस ने मामूली धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले को रफा दफा करने की कोशिश की गुंडों का साथ दे रहे दरोगा के खिलाफ भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। 6 दिन गुजर जाने के बावजूद भी गैर कानूनी रूप से निकाले गए मजदूरों को कंपनी में वापस नहीं लिया है दोषी दरोगा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है और दोषी ठेकेदार कंपनी जिसके मालिक

के साथ मिलकर गुंडो ने हमला किया था उसका भी ठेका मानीताऊ कंपनी ने रद्द नहीं किया है इससे मजदूरों में लगातार रोज बढ़ रहा है आज प्रबंधक जबरदस्ती कलिंगा कंपनी के कर्मचारियों को कंपनी में काम करने के लिए जबरदस्ती प्रवेश कराने की कोशिश की धरनारत कर्मचारियों ने जबरदस्त विरोध किया किसान सभा की जिला कमेटी के सदस्यों जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा, सुरेश यादव, मोहित नागर, मोनू मुखिया, सलेक यादव, संयोजक वीर सिंह नागर, एडवोकेट गुरप्रीत एडवोकेट, विनोद भाटी एडवोकेट, देवापाल अवाना, सतीश यादव, दुष्यंत सेन, प्रशांत, विजय यादव, शिशांत भाटी, निशांत रावल, सुधीर रावल, कोषाध्यक्ष अजय पाल भाटी, भोजराज रावल एवं अन्य सैकड़ो लोगों ने कंपनी गेट पर पहुंचकर मजदूरों के समर्थन में नारे लगाए और अवैध रूप से हमलावर कंपनी के कर्मचारियों को फैक्ट्री में प्रवेश करने से रोकने में मदद की मानीटो कंपनी यूनियन के अध्यक्ष फिरोज और महामंत्री संतोष दोनों ने केवल उन्हें कर्मचारियों को प्रवेश की अनुमति दी जो कर्मचारी कंपनी के रोल पर कार्यरत हैं इस तरह आज भी कंपनी पूरी तरह बंद रही सूरजपुर थाना अध्यक्ष पुष्पराज एसीपी सुमित शुक्ला डीएलसी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मानीटो यूनियन के साथ विवाद को सुलझाने के लिए देर रात तक वार्ता करते रहे देर रात तक कोई समाधान नहीं निकला है किसान सभा के जिला अध्यक्ष ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि हम बहुराष्ट्रीय कंपनी के चलाए जाने के पक्ष में हैं कंपनी चलेगी तो मजदूर की रोजी-रोटी भी चलेगी परंतु कंपनी के भारतीय मैनेजमेंट द्वारा एक लेबर सप्लाई कंपनी को ठेका दिया है इसके प्रमोटर खुद डंडा हाथ में लेकर मजदूरों को पीट रहे हैं इस तरह की गुंडागर्दी करने वाली कंपनी के साथ काम किया जाना संभव नहीं है यदि कंपनी को सुचारू रूप से चलाना है तो कंपनी को गुंडागर्दी करने वाले लोगों को लेबर सप्लाई ठेका नहीं देना चाहिए और कलिंगा कंपनी को ब्लैक लिस्ट करते हुए प्रतिबंधित करना चाहिए जो 31 मजदूर गैर कानूनी रूप से नौकरी से निकाले हैं उन्हें तुरंत वापस लेना चाहिए और 6 तारीख में किसान सभा सहित सभी मजदूर संगठनों ने प्रदर्शन कर मांग उठाई थी की कलिंगा कंपनी के दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हो और गुंडो का साथ दे रहे दरोगा को सस्पेंड किया जाए और उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाए तब तक ऐसा नहीं होता जब तक हमें धरना प्रदर्शन चलाए रखना है। नोएडा में कई जगह विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिला महासचिव रामसागर, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार राघव सचिन रामस्वरूप से सचिव हुकम सिंह जिला कमेटी सदस्य सुनील पंडित आदि सीटू नेताओं ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा 6 जनवरी को प्रदर्शन के दौरान दिए गए दिए गए आश्वासन को पूरा नहीं किया जाएगा तो 17 जनवरी 2024 को डीएम कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर विशाल रोष प्रदर्शन किया जाएगा।

ग्लोबल टाक सीरीज का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा स्थित जीएलबीआईएमआर कॉलेज में ठमार्केटिंग में उभरते रुझान- एआई, एमएल और मेटावर्सठ विषय पर एक दिवसीय ग्लोबल टॉक सीरीज़ का आयोजन किया गया। सम्मलेन में रबात बिजनेस स्कूल, मोरक्को के मार्केटिंग प्रोफेसर डॉ. विकास आर्य ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में विशेषज्ञता, मशीन लर्निंग (एमएल) मेटावर्स और गतिशील विपणन परिदृश्य पर मूल्यवान विचार प्रदान किये। डॉ. आर्य ने नवीनतम रुझानों और प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मार्केटिंग रणनीतियों में एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। अन्य वक्ताओं ने चर्चा में एआई और एमएल के निर्बाध एकीकरण के साथ-साथ मेटावर्स को नेविगेट करने की बारीकियों पर चर्चा की। जिससे उपस्थित विद्वानों को विपणन के भविष्य को आकार देने वाले अत्याधुनिक विकास की गहन समझ प्राप्त हुई। दिन के इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में अनेक सवालों पर चर्चा हुई जिससे प्रतिभागियों को एआई में उभरते रुझानों के साथ समकालीन परिप्रेक्ष्य को जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।विभाग की निदेशक डॉद सपना राकेश ने सभागार को संबोधित करते हुए कहा कि इस ग्लोबल टॉक सीरीज़ ने ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य किया, जिससे उपस्थित लोगों को विपणन परिदृश्य को आकार देने और एआई की महत्वपूर्ण भूमिका की जटिलताओं का पता लगाने में मदद मिली। अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संगोष्ठी में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

टीबी मरीज को उपचार के दौरान मिलने वाले तीन हजार रुपये अब मिलेंगे दो किस्तों में

(आधुनिक समाचार सेवा)

ग्रेटर नोएडा। नोएडा टीबी मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण व पौष्टिक आहार के लिए उपचार के दौरान (छह माह) हर महीने मिलने वाली राशि अब पांच की जगह दो किस्तों में मिलेगी। टीबी से पीड़ित व्यक्ति को उपचार शुरू होने पर दी जाने वाली पहली लाभ राशि को 1500 रुपये करने का निर्णय लिया गया है, इसके बाद दूसरा लाभ उपचार शुरू होने की तारीख से 84 दिन (उपचार के तीन महीने) पूरे होने पर (1500 रुपये) मिलेगा। यह व्यवस्था जनवरी 2024 से लागू कर दी गई है। यह जानकारी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. आर.पी. सिंह ने अपर सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक एल.एस.चांगसन के पत्र के हवाले से दी। उन्होंने बताया- अपर सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक

एल.एस.चांगसन ने इस संबंध में दिशा निर्देश जारी किये हैं। मिशन निदेशक की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि- भारत सरकार 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले, 2025 तक टीबी को समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) संचालित कर रही है। एनटीईपी ने विभिन्न उपाय किए हैं, जिसमें वर्ष 2025 तक टीबी को खत्म करने की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करना है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जिसमें निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के तहत अधिसूचित सभी टीबी रोगियों को उपचार की पूरी अवधि के लिए 500 रुपये प्रति माह का लाभ प्रदान किया जाता है। वर्तमान में टीबी मरीज को निक्षय पोषण योजना के तहत 1000 रुपये का पहला लाभ डीबीटी के माध्यम से दिया जाता है। इसके बाद 500 रुपये का दूसरा लाभ टीबी उपचार की तारीख से 56 दिन पूरे होने पर दिया जाता है। शुरुआत के बाद उपचार अवधि के हर महीने के लिए 500 रुपये का लाभ मिलता है।

भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने किया नमो सेवा केंद्र के सिकंदराबाद शाखा का उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा सिकंदराबाद के दादरी तिराहा स्थित मित्तल की धर्मशाला में नमो सेवा केंद्र का उद्घाटन फीता काटकर राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा गोपाल कृष्ण अग्रवाल जी, भाजपा राष्ट्रीय सचिव एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर एवं पूर्व विधायक विमला सोलंकी ने किया। गोपाल कृष्ण अग्रवाल के सिकंदराबाद आगमन पर निजामपुर, शिवाजी नगर एवं अग्रसेन इंटर कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग द्वारा स्वागत किया गया।कार्यक्रम का आयोजन अग्रसेन भवन में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य लोगों एवं प्रबुद्ध जनों के स्वागत के साथ हुआ। सर्वप्रथम पूर्व विधायक विमला सोलंकी ने नमो सेवा केंद्र के लिए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह नमो सेवा केंद्र निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प को और भी मजबूत करेगा साथ ही सिकंदराबाद में जनकल्याणकारी योजनाओं को बेहतर गति प्रदान करेगा। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अथक प्रयास से देश विकसित भारत की ओर अग्रसर है जिसमें नमो सेवा केंद्र भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।सिकंदराबाद के सभी लोगों को यहां से सभी जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में यह सहायता प्रदान करेगा और उनको लाभ पहुंचायेगा। अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने और जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ रही। आपको बता दे, इससे पहले भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल द्वारा नोएडा, दादरी, जेवर एवं खुर्जा में नमो सेवा केंद्र खोले गए हैं। भाजपा ने मोदी जी के नेतृत्व में सेवा के माध्यम से राजनीति करने का नया पहलू रखा है उसी राजनीतिक पहल को नमो सेवा केन्द्रों के माध्यम से गोपाल कृष्ण अग्रवाल गौतमबुद्धनगर में लागू कर रहे हैं ।कार्यक्रम का संचालन उषा बंसल एवं मंडल महामंत्री नवीन गुप्ता और राजेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष त्रिवेश गुप्ता, पूर्व नगर अध्यक्ष दिनेश पालीवाल, अशोक सिंघल, सतीश गर्ग, अनिल सिंघल बी.एस. सक्सेना, मालती सैनी, सतीश चंद्र गर्ग, सौरव अग्रवाल, सुधीर यादव, अमित निर्वाण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नमो- सेवा केंद्र सिकंदराबाद की स्थापन की गई है। अग्रवाल ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को जनकल्याणकारी योजनाओं को अन्तिम पायदान तक पहुंचाने में जुटना होगा तभी हम पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बन पाएंगे और मोदी जी का सपना पूरा कर पाएंगे। अग्रवाल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की बात करते हुए कहा आज की सरकार आपके द्वार पर संकल्प यात्रा के माध्यम से आ रही है और आपको

पूर्व संध्या माल्यार्पण कर मनाई गई विवेकानंद की जयंती

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। स्वामी विवेकानंद की जयंती की पूर्व संध्या पर रॉबर्ट्सगंज नगर

के विवेकानंद प्रेक्षागृह परिसर में भाजपाइयों ने मूर्ति के ऊपर माल्यार्पण करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया।आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ धर्मवीर तिवारी व विशिष्ट अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा प्रतिमा के ऊपर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया वहीं इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ धर्मवीर तिवारी ने बताया कि युवाओं के प्रेरणास्तोत्र स्वामी विवेकानंद जी के संदेश आज भी युवाओं के विचारों व कर्म से समाज में विद्यमान है वही हर युवा के दिलो दिमाग में बसते हैं स्वामी विवेकानंद विरजमान है। विशिष्ट अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के बताये हुए रास्ते पर चलने का भी संकल्प लिया। श्री रावत ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का दर्शन आज के समाज के लिए बहुत प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद ने इतनी कम आयु में ही समाज को जो राह दिखायी थी वह अद्भुत व अनोखी है। युवा वर्ग पर देश का विकास करने की जिम्मेदारी होती है, यदि स्वामी विवेकानंद के आदर्श को युवाओं आत्मसात कर ले तो हमारा देश एक बार फिर से विश्वगुरु बन जायेगा। इस अवसर पर दिशांत द्विवेदी, सत्यम सोनी, विनोद सोनी, झूरी मोदनवाल, अखिलेश कश्यप, संतोष कुमार, आशुतोष कुमार सहित आदि लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

भारत ग्लोबल साउथ को कर सकता है एकजुट लेकिन वैश्विक अव्यवस्था के बीच लेने होंगे संकल्प

भारत का उदय स्वाभाविक रूप से निगरानी और खतरों को जन्म देता है, क्योंकि घरेलू राजनीति भू-राजनीति को प्रभावित करती है। कामकाज की शैली और प्रतिक्रियाओं के मापांकन पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। भावनात्मक विश्लेषण के इस युग में लाठियां और पत्थर तो हड्डियों को चोट पहुंचाएंगे, लेकिन शब्द कलंकित कर सकते हैं।दुनिया समय और घटनाओं के मोड़ पर है। नए वर्ष में प्रवेश के बीच, उभरते संकटों ने नाराजगी और संशय के साये को जन्म दिया है। अंतहीन युद्ध और राष्ट्रीय हित की पुनर्परिभाषा विकास की संभावनाओं को धूमिल कर रही है। ऐसी धारणा बढ़ती जा रही है कि नियम आधारित विश्व व्यवस्था वैश्विक अव्यवस्था में बदल रही है। यह संदर्भ भारत के लिए मायने रखता है कि वह परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर दुनिया में कैसे अपनी क्षमता को आगे बढ़ाता है। जैसे-जैसे हम प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के चुनावी वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, भू-राजनीति की विषमताएं सामने आ रही हैं। भारत को इससे बचना होगा और खुलकर अपने विकल्पों पर विचार करना होगा। बहस के लिए परिस्थितियां तैयार करने का एक उपयोगी लेंस नए वर्ष पर संकल्प लेने की परंपरा है। इस परंपरा का सार चिंतन, पहचान और पुनर्स्थापना है। राष्ट्रीय आयात के मुद्दों पर और भू-राजनीतिक क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था बनाए रखने और उसका लाभ उठाने के मुद्दों पर सफलता आम सहमति बनाने की कला में निहित है। यहां कुछ प्रस्ताव सुझाए गए हैं, जिनकी शुरुआत उन बहुपक्षीय एजेंसियों में सुधारों से होती है, जिन्हें नियम-आधारित विश्व व्यवस्था को मजबूत करने का काम सौंपा गया है और जिस पर भारत ने काफी समय और श्रम खर्च किया है। संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी अपवाद संस्था है, जो उत्तरोत्तर अपनी प्रासंगिकता घटाती जा रही है। इसी कारण आज दुनिया भर में 30 से अधिक संघर्ष के क्षेत्र बन चुके हैं। यूक्रेन युद्ध में किसी के विजेता होने की उम्मीद नहीं है और लगभग हर कोई चाहता है कि गाजा में युद्ध खत्म हो। शांति बाध्यकारी और गैर-बाध्यकारी संकल्पों में उलझी हुई है और उसे वीटो की ताकत वाले उन देशों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जो वैश्विक आबादी के छठे हिस्से से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व और सुधारों के लिए समझौता करने और वीटो धारक देशों से निपटने के लिए जी-20 की तरह ग्लोबल साउथ को एकजुट कर सकता है भारत का उदय स्वाभाविक रूप से निगरानी और खतरों को जन्म देता है, क्योंकि घरेलू राजनीति भू-राजनीति को प्रभावित करती है। कामकाज की शैली और प्रतिक्रियाओं के मापांकन पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। भावनात्मक विश्लेषण के इस युग में लाठियां और पत्थर तो हड्डियों को चोट पहुंचाएंगे, लेकिन शब्द कलंकित कर सकते हैं। भारत को दुनिया भर में अपने विदेशी सेवा कैडर का विस्तार करने की जरूरत है, ताकि वे उन परिभाषाओं पर सहयोग कर उन्हें फिर से तैयार करने में मदद कर सके, जो मायने रखती है। इसके लिए सक्रिय ढाल बनाने, अप्रासंगिक सिद्धांतों का मुकाबला करने और दोहरेपन को उजागर करने की आवश्यकता है। दोहा के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की विफलता के बाद से विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का मृत्युलेख लिखा जा रहा है। मुक्त व्यापार के विचार को इसके प्रचारकों ने ही त्याग दिया है, जो अब संरक्षणवाद की वकालत कर रहे हैं। डब्ल्यूटीओ की अपीलीय संस्था 2020 से मृत है और मध्यस्थता सहयोगी व्यापारिक गुटों तक सीमित है। कैनकन में हुई मंत्रिस्तरीय बैठक की तरह भारत को डब्ल्यूटीओ की वैधता को फिर से जिलाने के लिए अर्थव्यवस्थाओं का गठबंधन बनाने की जरूरत है। बेहतर दिशा में पहला कदम उठाने से अगले मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी करने और अपने एजेंडा को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। वर्ष 1944 में ब्रेटन बुड्स सम्मेलन में गठित दो संस्थानों, आईएमएफ और विश्व बैंक, ने उस समय के उद्देश्य पूरे कर लिए हैं। अतएव नई वास्तविकताओं के अनुरूप इनकी भूमिकाओं को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे में अग्रणी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत के पास सहयोग करने और एक नया ढांचा पेश करने का अवसर है। आईएमएफ को राहत पैकेज से आगे बढ़कर आने वाले संकटों की भविष्यवाणी करने के लिए डाटा पेश करने और लचीलेपन के लिए नीतियां तैयार करने की जरूरत है। जबकि विश्व बैंक को अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव को वित्तपोषित करने के लिए नए ढंग से स्थापित किया जाना चाहिए। चूंकि भारत वैश्विक बदलाव का भागीदार है, उसे अपने विकास को बनाए रखने के लिए घरेलू स्तर पर क्षमता तैयार करने और लचीलेपन की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान से पता चलता है कि अगले चार दशकों तक भारत की कामकाजी आबादी घटने वाली नहीं है। लेकिन जनसांख्यिकी नियति नहीं है। भारत को व्यवसाय मॉडल में विघटनकारी बदलाव के खातिर तैयार रहने के लिए मानव पूंजी में निवेश करना चाहिए। स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर अधिक खर्च करने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। गारंटी के इस दौर में क्या राजनीतिक दल स्वास्थ्य, शिक्षा व कौशल विकास के लिए धन खर्च करने पर प्रतिबद्धता जताएंगे जनमत सर्वेक्षणों में बेरोजगारी शीर्ष चिंता का विषय है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से पता चलता है ।

विपक्ष की मुश्किलों का अंत नहीं, गठबंधन को सहेजने में कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका अहम

आजाद भारत के इतिहास में पहली बार कांग्रेस 272 से भी कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। लेकिन इंडिया गठबंधन बना रहे, इसके लिए जरूरी है कि वास्तविकता से बेखबर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सीटों के बंटवारे के कड़वे फॉर्मूले को स्वीकारे। अन्यथा, नाजुक गठबंधन का अराजक होना तय है।दिवाकर राही का एक शेर है- अब तो उतनी भी मयस्सर नहीं मय-खाने में/जितनी हम छोड़ दिया करते थे पैमाने में। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा, जब 2024 में 18वीं लोकसभा के लिए 'ग्रांड ओल्ड कांग्रेस' पार्टी 272 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ऐसे में, अगर सैद्धांतिक तौर पर एकबारगी यह मान भी लिया जाए कि अप्रैल-मई, 2024 में कांग्रेस जिन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, उन सभी पर अगर उसे जीत हासिल हो, तब भी वह अपने दम पर केंद्र में सरकार नहीं बना सकती। पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 499 में से 489 सीटों पर चुनाव लड़ा और 364 सीटें जीतीं। वर्ष 1957 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 494 सीटों पर चुनाव लड़ा और 371 सीटें जीतीं। इसी तरह, वर्ष 1962 में 494 में से 361 और 1967 में पहली बार अनुभवहीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी 523 लोकसभा सीटों में से 283 पर जीत हासिल कर सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रही। वर्ष 1971 में 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ इंदिरा गांधी ने 518 सीटों में से 352 सीटें जीतकर जबर्दस्त वापसी की। वर्ष 1975 के आपातकाल के बाद मतदाताओं ने इंदिरा को सत्ता से बाहर का रास्ता जरूर दिखाया, पर कांग्रेस

154 सीटें जीतने में कामयाब रही। वर्ष 1980 में इंदिरा गांधी ने एक बार फिर विपक्ष को पटखनी देते हुए 353 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी ने दिसंबर, 1984 में 404 सीटें जीतकर कांग्रेस को बंपर जीत दिलाई। पंजाब में कांग्रेस की जीत से यह आंकड़ा 413 सीटों पर पहुंच गया, जहां चुनाव कुछ महीने बाद हुए थे। मगर 1989 में राजीव गांधी को शिकस्त झेलनी पड़ी, लेकिन 197 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वीपी सिंह और चंद्रशेखर सरकार के पतन के बाद कांग्रेस की फिर वापसी हुई। दरअसल, 1991 चुनाव के दौरान राजीव गांधी की दुखद हत्या के बाद कांग्रेस ने 244 सीटें जीतीं और छोटी पाटिर्यों के बाहरी समर्थन से पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनाई। वर्ष 1996 में राव के नेतृत्व में कांग्रेस केवल 140 सीटें जीतकर सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस ने अल्पकालीन एचडी देवे गौड़ा और आईके गुजराल सरकारों को बाहर से समर्थन दिया। वर्ष 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने एनडीए की सरकार बनाई। तब भी कांग्रेस के पास 141 सीटें और भाजपा को 182 सीटें मिली थीं। वर्ष 1999 के मध्यावधि चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन की सत्ता में वापसी हुई, जबकि कांग्रेस 114 सीटों पर सिमट गई, जो 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। हालांकि 2004 में कांग्रेस ने अपनी स्थिति सुधारते हुए 145 सीटें जीतीं और एक ऐसा गठबंधन बनाया, जो न केवल 2004 में, बल्कि 2009 में भी सरकार बनाने में कामयाब रहा, जब कांग्रेस को 206 सीटों पर जीत मिली थी। लोकसभा चुनाव में यह शायद आखिरी बार था, जब कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के उदय ने कांग्रेस को बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया, जिसे 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में दस फीसदी सीटें तक नहीं मिल सकीं। वर्ष 2014 में महज 44 सीटों पर सिमटना कांग्रेस के लिए शर्मनाक था। वहीं, 2019 में भी यह केवल 52 सीटें ही जीत पाई, जिसमें ज्यादातर सीटें केरल, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक से थीं। मल्लिकार्जुन खरगे और तीनों गांधी (सोनिया, राहुल और प्रियंका) के संयुक्त नेतृत्व में, चुनावों में मिली लगातार हार और कमजोर आत्मविश्वास के चलते धूमिल संभावनाओं और अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट से जूझती कांग्रेस आप, तृणमूल कांग्रेस, जदयू, राकांपा (शरद पवार), द्रमुक, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और 22 अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर भाजपा को हराने की जुगत कर रही है। पार्टी की पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय टीम ने गठबंधन सहयोगियों से वार्ता के लिए पार्टी की रणनीति निर्धारित करने हेतु वासनिक के आवास पर बैठक की। पैनल के दो सदस्यों के अनुसार, उन्हें यह देखकर निराशा हुई कि कांग्रेस इस स्थिति में नहीं है कि वह गठबंधन के सहयोगियों से तीन सौ सीटें मांग सके। पैनल ने 292 लोकसभा सीटों को शॉर्टलिस्ट किया है, पर बारीकी से जांच करने पर ये 240 से भी कम निकली हैं। विभिन्न राज्यों की कई सीटें ऐसी हैं, जहां पार्टी के लिए गठबंधन सहयोगी के तौर पर चुनाव लड़ने का कोई आधार नहीं है। यही नहीं, उनका विश्लेषण बताता है कि राहुल गांधी की आगामी भारत न्याय यात्रा में जिन राज्यों से गुजरेगी, उन राज्यों की 345 संसदीय सीटों में से केवल 15 सीटों पर ही कांग्रेसी सांसद है। व्यावहारिक तौर पर देखें, तो पता चलता है समान विचारधारा वाले दलों से गठबंधन करने पर भी कांग्रेस के लिए 50 लोकसभा सीटों का आंकड़ा पार करना कठिन होगा। कांग्रेस में ऐसे कई लोग हैं, जो राहुल की दूसरे चरण की यात्रा को निरर्थक, गलत और पहले से ही संसाधनों की कमी से जूझती पार्टी के लिए नुकसानदायक मानते हैं। टीम खरगे समेत कोई भी इस स्थिति में नहीं है, जो राहुल को ईमानदार राय दे सके। हालांकि अपनी ओर से खरगे ने सीट बंटवारे की संभावनाओं पर चर्चा के लिए राज्यों के नेताओं को बुलाया है। इसमें संदेह नहीं कि जरूरत और मजबूरी का सिद्धांत कांग्रेस को सीट बंटवारे की ओर ले जा रहा है, क्योंकि वह अपने बल पर चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। हालांकि खरगे को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पंजाब, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र में कम सीटों के कड़वे फॉर्मूले को स्वीकारने के लिए गांधी परिवार से काफी अनुनय और समर्थन की आवश्यकता होगी। सहयोगी दल खुद को कमतर नहीं मानते और कोई रियायत देने को तैयार नहीं हैं। वास्तविकता से बेखबर कांग्रेसी नेताओं की समस्या यह है कि वे अतीत और पुरानी यादों में जीते है कि हमारे बाप-दादा ने घी खाया था, हमारी हथेली सूंघ लो। ऐसे में कांग्रेसी नेताओं को झटका लगना तय है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो नाजुक इंडिया गठबंधन का अराजक होना तय है।

सीजन के सौदागर आते रहेंगे, समाधि की 'उस' स्थिति से बचना है मुश्किल

तितलियों के प्रेम में पड़कर उनके पीछे भागना एक बात है और उन्हें मारकर अपनी किताब के पननें में रख लेना दूसरी। मरी हुई तितलियां अपने रंगों से कभी नहीं खेलतीं, उनके कण जरूर जिंदगी के पननें पर चिपके पड़े रह जाते हैं। ये कण अब खूब चमक रहे हैं। तितलियों के प्रेम में पड़कर उनके पीछे भागना एक बात है और उन्हें मारकर अपनी किताब के पननें में रख लेना दूसरी। मरी हुई तितलियां अपने रंगों से कभी नहीं खेलतीं, उनके कण जरूर जिंदगी के पननें पर चिपके पड़े रह जाते हैं। ये कण अब खूब चमक रहे हैं। साधारण चीजों को जटिल बना देना आम बात है, जटिल को सरल बना देना कला है। वाइल्ड ने ही कहा है, हमारे तमाम आधुनिक कैलेंडर हमारी जिंदगी की खूबसूरत सादगी को भंग कर देते हैं - यह याद दिलाकर कि हर दिन जो गुजरता है, वो किसी बेहद बेस्वाद वाकये की 'एनीवर्सरी' है। जब साल जाने लगता है तो आप अचानक या तो भावुक हो उठते हैं या चिंतित। अलबत्ता लोगों में यह बताने का चलन है कि इस साल में जो न हुआ आते साल में होना तय है। कुछ लोग भय और आशंकाओं के मैन्यू तैयार करते है गोया यही भविष्य के रेस्टोरेंट में मिलने वाला है। कई तो उसमें से चुनाव भी कर लेते हैं कि कौन सी कम तकलीफदेह 'डिश' ज्यादा मुफीद होगी। मजा यह है कि रेस्टोरेंट भी उन्हीं का, शेफ भी वही और ग्राहक भी वही। यह अपने आप में बड़ी मुसीबत है कि आप समाधि की इस स्थिति में पहुंच जाएं - जहां आप ही बनाएं, आप ही खाएं, आप ही बिल चुकाएं और आप ही बजट के घाटे पर अर्थशास्त्रियों को ज्ञान भी दें। मगर लोग है कि हर बार इसी मुसीबत को मुहब्बत कर बैठते हैं। इसका फायदा 'सीजन के सौदागर' उठाते है। यह साल ऐसे सौदागरों की चांदी का साल था। आप जानते है - सीजन के सौदागर का कोई एक धंधा नहीं होता। जिस मौसम में जिसकी मांग होती है, वही चीज खड़ी कर देते हैं। कंस के दिनों में कंस की, कृष्ण के दिनों में कृष्ण की। यहां तक कि स्कूलों के वार्षिक उत्सव के दिनों में फैंसी ड्रेसों के किराए का धंधा भी चला लेते है। अगर कत्ल होने लगें तो वे चाकू बेचना शुरू कर दें, शांति में मुनाफा ज्यादा हो तो कबूतर बेचने का बोर्ड लगा दें पिछले साल जाते-जाते हमने दो शब्दों पर बात की थी, जो उस साल के सबसे ज्यादा प्रतीकात्मक शब्द बन गए थे - गैस लाइटिंग और मून लाइटिंग। पहले का अर्थ था कि किसी को गलत न होते हुए भी उसे गलत होने का अहसास दिला देने की चालाकी, और दूसरे का अर्थ था - पूरी तनख्वाह एक जगह लेकर गुपचुप दूसरी जगह से भी कमाई पीट लेना। दोनों में बेईमानी और बेईमानी की स्वाभाविक नैतिक जरूरत पर पर्याप्त कागज रंगे गए थे।

विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं प्रवासी भारतीय

प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान व कौशल से भारत को विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभा सकते है।इन दिनों पूरी दुनिया में प्रवासी भारतीयों से संबंधित दो खास बातें रेखांकित हो रही हैं। पहला, जहां प्रवासी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहे हैं, वहीं भारत भी अपने प्रवासियों के हितों की रक्षा का प्रभावी हिमायती बना हुआ है। दूसरा, 28 दिसंबर को भारत ने कतर में जिन आठ नौसेना के पूर्व भारतीय अधिकारियों की फांसी की सजा को घटवाने में कूटनीतिक भूमिका निभाई है, उनमें एक पूर्णेंदु तिवारी भी है, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा गया था। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन ऐंड डेवलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बीते वर्ष प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि (रेमिटेंस) स्वदेश भेजी। रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष पांच रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डॉलर) चीन (50 अरब डॉलर) फिलीपींस (40 अरब डॉलर) और मिस्र (24 अरब डॉलर) शामिल हैं। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है कि पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में उच्च कौशल वाले लोगों की संख्या ज्यादा है, जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं, जहां से वे अधिक धन भेज रहे हैं। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 100 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी, वहीं 2021 में 87 अरब डॉलर की राशि भेजी थी। जब वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी, तब भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई 83 अरब डॉलर की धनराशि से यहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। यह छोटी बात नहीं है कि प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले स्थान पर बना हुआ है। अतीत में जब भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई, प्रवासियों ने मुक्त हस्त से विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। बीते वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में भी प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका रही है। विभिन्न देशों में संकटों के बीच फंसे भारतीय प्रवासियों को बचाने और भारत वापसी के लिए महत्वपूर्ण अभियान चलाए है। सरकार के मुताबिक, विदेशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए सरकार की ओर से 2014 से दिसंबर, 2023 तक 626 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिससे 3.42 लाख भारतीयों की मदद की गई। वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास के बीच जारी खूनी संघर्ष में इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। जब वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था, तब 'ऑपरेशन गंगा' के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया था। लेकिन अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द कम करने में और अधिक सहयोग किए जाने की आवश्यकता है। खाड़ी देशों में भारतीय कामगार बड़ी संख्या में है, पर ऐसे भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो गलत लोगों या संस्थाओं के हाथ लगकर दुर्दशा के शिकार हो गए हैं। हाल ही में केंद्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 33 हजार से अधिक भारतीय कामगार खाड़ी के देशों में गुलामों की तरह रहने को मजबूर हैं। विदेश मंत्रालय को मार्च, 2021 से वर्ष 2023 के बीच अरब देशों से छह शिकायतें मिली हैं। यद्यपि भारत सरकार ने इन शिकायतों पर संबंधित देशों की सरकारों से दखल देने को कहा है, पर इस दिशा में केंद्र की और अधिक सक्रियता जरूरी है।

उच्च जोखिम गर्भावस्था की स्थिति में संस्थागत प्रसव ही कराएं -डा. ललित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। एनिमिक (रक्त की कमी) होना ही उच्च जोखिम गर्भावस्था नहीं होती इसके अलावा भी कई अन्य कमियों के चलते गर्भवती उच्च जोखिम गर्भावस्था में चिन्हित की जाती है। उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली गर्भवती को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। ऐसी अवस्था में प्रसव पूर्व सभी जांच कराने के साथ ही संस्थागत प्रसव कराना चाहिए। यह बात अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डा. ललित कुमार ने कही। डा. ललित ने बताया- उच्च जोखिम गर्भावस्थाएक ऐसी स्थिति है, जिसमें गर्भवती और उनके शिशु के लिए स्वास्थ्य समस्याएं ज्यादा होती है। इसमें गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के समय मां और शिशु के लिए जोखिम हो सकता है। उच्च जोखिम गर्भावस्था का पता लगाने के लिए प्रसव पूर्व सभी जांच होना जरूरी है। इसके सरकार की ओर से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जनपद के स्वास्थ्य केन्द्रों पर हर महीने की एक, नौ, 16 और 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस का आयोजन किया जाता है। प्रसव पूर्व औरगर्भावस्था के अंत में, मातृ स्वास्थ्य और शिशु का स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए कई जांच की जाती है, ताकि स्वस्थ और सुरक्षित प्रसव हो सके। हीमोग्लोबिन-किसी भी गर्भवती का हीमोग्लोबिन का स्तर सात ग्राम से कम है तो वह उच्च जोखिम गर्भावस्था में है। गर्भवती को हीमोग्लोबिन का ध्यान रखना चाहिए। हीमोग्लोबिन को खानपान और दवा से ठीक किया जा सकता है। एक स्वस्थ महिला का हीमोग्लोबिन का स्तर 12.0 से 14.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर होना चाहिए। यानि किसी

भी हालत में गर्भवती को एनीमिक (खून की कमी) नहीं होना चाहिये। उचित स्वास्थ्य देखभाल से एनीमिया दूर किया जा सकता है। वजन- गर्भवती का वजन 40 किग्रा से कम हो तो वह उच्च जोखम गर्भावस्था में आती है। इस लिए गर्भावस्था के दौरान गर्भवती को खानपान पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा जाता है। कुछ मामलों में उपचार की भी जरूरत होती है। लम्बाई- महिला जिनकी लम्बाई 140 सेंटीमीटर से कम हो तो उनकी गर्भावस्था उच्च जोखम वाली मानी जाती है। ऐसी महिलाओं को विशेष देखभाल की जरूरत होती हैं। इन महिलाओं को किसी भी हालत में घर में प्रसव नहीं कराना चाहिए। संस्थागत प्रसव कराने पर जच्चा बच्चा की जान का जोखिम कम हो जाता है। उम्रः यदि महिला की आयु 35 साल से अधिक है, तो वह हाई रिस्क की श्रेणी में आ सकती है। किसी बीमारी की दवा चल रही हो तो- ऐसी गर्भवती जिनकी पहले से किसी स्वास्थ्य समस्या जैसे कि डायबीटीज, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, थायराइड समस्या या किसी लम्बी बीमारी जैसे टीबी, लिवर, कैंसर की दवा चल रही हो तो ऐसी स्थिति भी उच्च जोखम गर्भावस्था बन सकती है। एचआईवी ग्रसित- ऐसी महिला जो पहले से एचआईवी से ग्रसित हो और गर्भवती हो तो उसे उच्च जोखिम गर्भावस्था में रखा जाता है। ऐसी गर्भवती भी उच्च जोखम गर्भावस्था में आती हैं जिन्हें एकलेप्सिया (दौरे) हो , गर्भावस्था के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याएं जैसे कि प्री-एक्लैम्प्सिया (हाइटेन्शन), गर्भाशय की सूजन, गर्भकोष से संबंधित समस्याएं हों। पूर्व गर्भवती इतिहासः यदि महिला को पहले से ही गर्भावस्था में किसी भी समस्या का सामना करना पड़ा हो, तो वह अगली प्रेगनेंसी में हाई रिस्क में हो सकती है। ऐसी महिला जिसके पहले दो बच्चे सिजेरियन से हुए हों, तो उसे भी उच्च जोखम गर्भावस्था की श्रेणी में रखा जाता है।

जिंदगी को अर्थ देने वाले हर शोर में आवाज नहीं होती

बीते 18 दिसंबर को देश के मशहूर फैशन डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी ने दिल्ली में अपना पहला हाई ज्वेलरी शो पेश किया, जो बेहद भव्य था, जिसमें फैशन व लाइफस्टाइल क्षेत्र के देशभर के दिग्गज खास ड्रेस कोड के साथ शामिल हुए। शो में शामिल हर मॉडल ने इतने ज्यादा आभूषण पहने थे कि किसी एक आभूषण पर गौर करना नामुमकिन लग रहा था। यही रूपक इंगित करता है कि जब अति होती है, तो चीजें धुंधली दिखने लगती है। साल 2023 की इस रूपक से ज्यादा सटीक व्याख्या नहीं हो सकती, जो सही मायनों में अतियों का वर्ष रहा। दिखावटी शादियों से लेकर सामाजिक मुद्दों के बजाय खुद लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने की चाह रखने वाले इंस्टाग्रामर, अत्यधिक यात्राएं, फैशन व फिल्मों का प्रमोशन, नए लॉन्च, बड़े डिस्काउंट और रेड कार्पेट वाली ड्रेसिंग, जो फैशन को दुस्साहस से जोड़ती है, यह सब कुछ 2023 में दिखा। ध्यान आकर्षित करने की वह तड़प भी दिखी, जिसने चीजों को बनाया कम, बिगाड़ा ज्यादा। बॉलीवुड सितारों को लेकर देश के लोगों का स्थायी जुनून चरम को छूता तब दिखा, जब सीमेंट से लेकर गाय का चारा, बीमा पॉलिसी, टायर, पान मसाला और सैनिटाइजर तक हर चीज फिल्म स्टारों द्वारा प्रचारित हो रही हों।

देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए जरूरी है पुलिस सुधार

वर्ष 1857 की विफल क्रांति के बाद अंग्रेजों ने पुलिस ऐक्ट, 1861 को देश को पूर्णतया गुलाम रखने के लिए बनाया था। इस कानून के अनुसार, पुलिस पूरी तरह सरकार के अधीन होती है और प्रजातांत्रिक व्यवस्था में सरकारों को जनता का वोट चाहिए, जिसके लिए सत्ता पाने के लिए राजनीतिक दलों को बाहुबलियों और माफियाओं द्वारा जनता के वोट लेने होते हैं। नतीजतन सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के इशारे पर पुलिस संगठित अपराधों की अनदेखी शुरू कर देती है। जब कानून लागू करने वाली पुलिस ही संगठित अपराधों की अनदेखी करेगी और अपराधी को बचाने के लिए साक्ष्य पेश नहीं करेगी, तब कानून अपराधी को सबूत के अभाव में सजा नहीं दे सकता। ऐसे में, नए कानून भी पुरानी व्यवस्था की तरह अपराधों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित होंगे। देश की बाहरी सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी सेना की है और आंतरिक सुरक्षा पुलिस संभालती है। सैन्य कानून की धारा 34 के तहत सेना की सफलता और उसके उद्देश्यों में बाधा आने पर जिम्मेदार सैनिकों के लिए मृत्युदंड तक का प्रावधान है। पर पुलिस को अपनी जिम्मेदारी का एहसास दिलाने के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों में कुछ बाहुबली अगर बड़े माफिया बन पाए, तो वह पुलिस के संरक्षण और परोक्ष सहयोग के कारण ही। पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने सत्ता से बेदखल होने के डर से आपातकाल लगा दिया था, जिसके तहत पुलिस ने पूरे देश में विपक्षी नेताओं को बिना किसी अपराध के और न्यायालय के आदेश के बिना जेल में बंद कर दिया। आपातकाल हटने के बाद जनता पार्टी की सरकार ने पुलिस व्यवस्था में सुधार करने और उसे जनता के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए पुलिस सुधार आयोग का गठन किया। पर कुछ समय बाद जनता पार्टी सत्ता से बाहर हो गई और सत्ता में आई कांग्रेस ने पुलिस सुधार आयोग की सिफारिशों को नकारते हुए एक और पुलिस आयोग का गठन किया। इस प्रकार वर्ष 1996 तक कई पुलिस आयोग गठित किए गए और उनकी रिपोर्टों में यही कहा गया था कि राज्य पुलिस को इस प्रकार व्यवस्थित किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बाबा राघवदास ने 1948 में ही कर दी थी भव्य राम मंदिर बनने की भविष्यवाणी

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के सपने में परिस्थितियों के चलते व्यवधान के बाद बाबा राघवदास के निर्देश पर 1952 में अनंत आश्रम में सत्यव्रत महाराज ने अभयद् राघव मंदिर का निर्माण कराया था। इसमें मझौली की रानी की ओर से भेजी गई कीमती सीताराम, हनुमान और राधाकृष्ण की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई थी। अनंत आश्रम के पीठाधीश्वर रहे बाबा राघवदास ने 1948 में ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने कहा था कि देश की स्थिति मजबूत होने पर अयोध्या

में भव्य राम मंदिर बनेगा। छोटी छावनी के महंथ रहे रामचंद्र दास के नेतृत्व में संत समाज के लोगों ने बाबा को पहली बार फैजाबाद से विधायक बनाया था। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में अनंतपीठ के अभयद् राघव मंदिर में भी उत्सव की तैयारी की जा रही है राम मंदिर आंदोलन में बाबा राघवदास की अहम भूमिका रही। अनंतपीठ के पीठाधीश्वर आंजनेय दास बताते हैं-राम मंदिर के उद्धार के लिए साधु-संतों ने 1948 में अयोध्या के छोटी छावनी के महंथ रामचंद्र दास के नेतृत्व में बाबा राघवदास को विधायक बनाया था। गर्भगृह में प्रभु श्रीराम के प्राकट्य प्रकरण में बाबा का योगदान माना जाता है। तब इसका जबरदस्त विरोध हुआ। तत्कालीन डीएम की ओर से हालात पर काबू पाने और यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिया गया था।अयोध्या में भव्य राम मंदिर के सपने में परिस्थितियों के चलते व्यवधान के बाद बाबा राघवदास के निर्देश पर 1952 में अनंत आश्रम में सत्यव्रत महाराज ने अभयद् राघव मंदिर का निर्माण कराया था। इसमें मझौली की रानी की ओर से भेजी गई कीमती सीताराम, हनुमान और राधाकृष्ण की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई थी। बाबा अक्सर कहते थे कि समय अनुकूल होने और परिस्थिति सही होने पर भव्य राम मंदिर बनेगा।

कोठारी ब्रदर्स ने सीने में खाई थी गोली, सीएम योगी के गुरु का भी कम नहीं है योगदान राम मंदिर के वो गुमनाम चेहरे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । भगवान राम के भक्तों को जिस दिन का बेसब्री से इंतजार था, वो दिन अब नजदीक आ गया है। 22 जनवरी का दिन ऐतिहासिक होने वाला है। दरअसल, इसी

तारीख को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन होगा। राम नगरी में भव्य और विशाल मंदिर बन रहा है। देश में राम मंदिर आंदोलन के दौरान कई ऐसे नायक रहे जो गुमनाम रहे। आज हम आपको राम मंदिर के गुमनाम नायकों के बारे में बताएंगे।अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह है। देश के करोड़ों लोगों की नजरें इस कार्यक्रम पर टिकी हैं। राम मंदिर आंदोलन के लिए ना जाने कितने लोगों ने कुर्बानी दी हैं। आंदोलन में शामिल हुए कई चेहरे ऐसे भी रहे जो गुमनाम रहे। ऐसे ही कुछ गुमनाम चेहरों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।महंत दिग्विजयनाथ के शिष्य और सीएम योगी आदित्यनाथ के गुरु महंत अवैद्यनाथ ने राम मंदिर आंदोलन के लिए विश्वव्यापी संगठन खड़ा कर दिया था। उन्होंने धर्माचार्यों को एक मंच पर खड़ा करने का काम किया था। इसके लिए अवैद्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन भी किया। सात अक्टूबर 1984 को अवैद्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या से लखनऊ के लिए धर्मयात्रा निकाली गई। महल पार्क में हुए सम्मेलन में लगभग 10 लाख लोगों ने हिस्सा लिया था।राम मंदिर का जिक्र हो तो कोठारी ब्रदर्स का जिक्र करना भी जरूरी हो जाता है। राम मंदिर आंदोलन में कोठारी ब्रदर्स ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। कोलकाता निवासी दो सगे भाई राम कोठारी (22) व शरद कोठारी (20) भी इसमें शामिल होने गए। कहा जाता है कि दोनों भाइयों ने विवादित ढांचे पर सबसे पहले झंडा फहराया था। हालांकि, गोलीकांड में दोनों भाई शहीद हो गए।देवराहा बाबा ने 35 साल पहले ही राम मंदिर निर्माण की भविष्यवाणी कर दी थी। वृंदावन में यमुना किनारे लकड़ी के मचान पर विराजमान होने वाले संत देवराहा बाबा ने फरवरी 1989 में प्रयागराज के कुंभ में राम मंदिर आंदोलन का समर्थन किया था। देवराहा बाबा के ही आदेश पर नौ नवंबर 1989 को राम मंदिर के लिए विहिप ने शिलान्यास की तिथि घोषित की थी।झारखंड के धनबाद की रहने वाली सरस्वती देवी भी परम राम भक्त हैं। 22 जनवरी को वह 30 साल पुराना अपना मौन व्रत तोड़ने जा रही हैं। सरस्वती 'सीता राम' कहकर अपना मौन व्रत तोड़ेंगी।

दिल्ली से पाकिस्तान तक हिली धरती, अफगानिस्तान रहा भूकंप का केंद्र; पढ़ें कितनी रही तीव्रता

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली ।दिल्ली-एनसीआर भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। भूकंप के चलते लोग घरों से बाहर आ गए। वहीं, झटके जम्मू में भी महसूस किए गए। जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान पाया गया है। भूकंप के झटके कुछ सेकंड तक महसूस किए गए थे।दिल्ली-एनसीआर के साथ जम्मू में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के झटके कुछ सेकंड तक महसूस किए गए

जिसके कारण लोग घरों से बाहर आ गए।अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में भूकंप का केंद्र बताया गया है जहां इसकी तीव्रता 6.2 आंकी गई है। पाकिस्तान के कई शहरों में भी भूकंप महसूस किया गया है।यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में इसका केंद्र था, जहां भूकंप की तीव्रता 6.2 आंकी गई है। ईएमएससी ने कहा कि भूकंप 201 किमी की गहराई पर था।भूकंप के झटके पाकिस्तान के भी कई शहरों में महसूस किए गए हैं। लाहौर, इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में धरती हिली है। पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने एक्स पर पोस्ट किया, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में था।भूकंप दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर आया। पिछले साल अक्टूबर के बाद से अफगानिस्तान दो बार 6 और उससे अधिक तीव्रता के भूकंपों से दहल चुका है।भूकंप के बाद दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई लोगों ने घर का सामान हिलने तक की सूचना दी। भूकंप से लोगों में दहशत फैल गई और वो घरों से बाहर आ गए।

भारत में दर्ज हुए कोरोना के 514 नए मामले, सक्रिय मामलों की संख्या घटकर हुई 3,422

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । भारत में एक बार फिर से कोरोना ने दस्तक दे दी है। कई राज्यों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। वहीं, गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत में कोविड-19 के 514 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 3,422 हो गई है।भारत में एक बार फिर से कोरोना ने दस्तक दे दी है। कई राज्यों में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। वहीं गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत में कोविड-19 के 514 नए मामले दर्ज किए गए हैं जबकि संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या

घटकर 3422 हो गई है।सुबह 8 बजे अपडेट किए गए मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में तीन मौतें हुईं - दो महाराष्ट्र में और एक कर्नाटक में।5 दिसंबर, 2023 तक दैनिक मामलों की संख्या दोहरे अंकों में गिर गई थी, लेकिन कोरोना के एक नए वैरिएंट ब्.1 के कारण और ठंड के मौसम की स्थिति के बाद मामले और अधिक बढ़ने लगे हैं।आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि 5 दिसंबर के बाद, 31 दिसंबर, 2023 को एक दिन में अधिकतम 841 नए मामले सामने आए, जो मई 2021 में दर्ज किए गए मामलों का 0.2 प्रतिशत है।कुल सक्रिय मामलों में से लगभग 92 प्रतिशत लोग होम आइसोलेशन में ही ठीक हो रहे हैं।आधिकारिक सूत्र ने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि ब्.1 वैरिएंट के चलते न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है और न ही अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है।आधिकारिक सूत्र ने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि वैरिएंट के चलते न तो नए मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है और न ही अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है।भारत ने बीते सालों में कोविड-19 की तीन लहरें देखी हैं, जिसमें अप्रैल-जून 2021 के समय डेल्टा लहर के दौरान दैनिक नए मामलों और मौतों की अधिक घटनाएं दर्ज की गईं।7 मई, 2021 को कोरोना के 414,188 नए मामले और 3,915 मौतें दर्ज की गईं थी।

केरल में आत्महत्या करने वाले किसान की संपत्ति की नहीं होगी कुर्की, राज्य सरकार ने आदेश पर लगाई रोक

(आधुनिक समाचार सेवा)
तिरुवनंतपुरम।केरल सरकार ने अलाप्पुझा के उस किसान की संपत्ति की कुर्की के आदेश पर रोक लगा दी, जिसने ने पिछले साल नवंबर में लोन न चुका पाने की वजह से आत्महत्या कर ली थी।केरल सरकार ने अलाप्पुझा के उस किसान की संपत्ति की कुर्की के आदेश पर रोक लगा दी जिसने ने पिछले साल नवंबर में लोन न चुका पाने की वजह से आत्महत्या

कर ली थी। दरअसलकिसान ने खेती के लिए बैंक से लोन लिया था लेकिन वह लोन नहीं चुका पाया। जिस वजह से उन्हें परेशान किया गया और अंत में उन्होंने अपनी जान दे दी।दरअसल, अलाप्पुझा के थकाझी के रहने वाले किसान ने खेती के लिए बैंक से लोन लिया था, लेकिन वह लोन नहीं चुका पाया। जिस वजह से उन्हें परेशान किया गया और अंत में उन्होंने अपनी जान दे दी। किसान ने सुसाइड नोट में केरल की वामपंथी सरकार और कुछ बैंकों को जिम्मेदार ठहराया था।पीड़ित परिवार के करीबी सूत्रों ने कहा कि किसान ने एससी-एसटी कॉरपोरेशन के लिए केरल राज्य विकास निगम से लोन लिया था, जिसका भुगतान बकाया था। जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो केरल के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री के राधाकृष्णन ने इसमें हस्तक्षेप किया और मंत्री ने कुर्की की प्रक्रिया पर रोक लगाने का आदेश दिया।समाचार एजेंसी पीटीआई ने मंत्री के हवाले से बताया कि किसान के परिवार को रियायत देकर लोन चुकाने के लिए निर्देश दिया गया है। इसके अलावा मंत्री राधाकृष्णन ने उन अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है, जिन्होंने किसान परिवार की परिस्थितियों को समझे बिना उन्हें नोटिस जारी किया था।मंत्री के आदेश पर निगम के अधिकारियों ने किसान के घर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की। जानकारी के अनुसार, मृतक किसान केजी प्रसाद ने पिछले साल 60 हजार रुपये का लोन लिया था। किसान के सुसाइड नोट में सरकार को जिम्मेदार ठहराए जाने पर राज्य में राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई थी।

एलेसी पर हालात अभी भी तनावपूर्ण जनरल मनोज पांडे बोले-टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग पर भारतीय सेना का ध्यान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच साल 2020 में गलवान में हिंसक संघर्ष हुआ था। इसके बाद चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और भारतीय सैनिकों के बीच अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में संघर्ष हुआ।भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने चीन से सटे सीमा की स्थिति की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि सीमा पर हालात स्थित है स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। सीमा पर हमारी तैयारी उच्च स्तर की है। पूर्वी लद्दाख में हमारी सेना किसी भी हालात से

निपट सके इसके लिए हम सीमा पर पर्याप्त संसाधन भेजना जारी रखेंगे।इन घटनाओं की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में दरार बढ़ती गई। चीन अपनी विस्तारवाद नीति से बाज नहीं आ रहा है, जिसकी चिंता भारत सेना को लगातार सता रही है। भारतीय सेना चीन के हर नापाक मंसूबे को जवाब देने के लिए तैयार है।सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने चीन से सटे सीमा की स्थिति की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि सीमा पर हालात स्थिर है, स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। सीमा पर हमारी तैयारी उच्च स्तर की है। पूर्वी लद्दाख में हमारी सेना किसी भी हालात से निपट सके इसके लिए हम सीमा पर पर्याप्त संसाधन भेजना जारी रखेंगे।उन्होंने आगे कहा कि चीनी सेना द्वारा हमारे देश की सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश की गई, लेकिन हमारे तरफ से संघर्ष विराम जारी रहा। वहीं, हमारी सेना एलओसी पर घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम कर रही है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के अंदर हिंसक घटनाओं में कमी आई है। हांलांकि, राजौरी-पुंछ सेक्टर में हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं।हमारी कोशिश होगी कि इस साल हम सेना के आधुनिकीकरण और टेक्नोलॉजी के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पर जोर दें।वहीं, सेना प्रमुख ने म्यांमार में बढ़ती हिंसा पर कहा कि भारत-म्यांमार सीमा पर स्थिति हमारे लिए चिंता का विषय है।

इंदौर को 7वीं बार सबसे स्वच्छ शहर का मिला खिताब, सूरत पहली बार बना संयुक्त विजेता पढ़ें टॉप 10 शहरों के नाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया है। सर्वेक्षण में इंदौर के साथ पहली बार सूरत भी पहले स्थान पर संयुक्त तौर पर सबसे स्वच्छ शहर बन गया है। वहीं, एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा। गुरुवार को घोषित सर्वेक्षण के नतीजों में यह जानकारी दी गई।केंद्र सरकार के वार्षिक स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में चुना गया है। सर्वेक्षण में इंदौर के साथ पहली बार सूरत भी पहले स्थान पर संयुक्त तौर पर सबसे स्वच्छ शहर बन गया है। वहीं एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नवी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा। गुरुवार को घोषित सर्वेक्षण के नतीजों में यह जानकारी दी गई।'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023' में 'शानदार प्रदर्शन करने वाले राज्यों' की श्रेणी में महाराष्ट्र ने पहला स्थान हासिल किया है, जिसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ रहे। राज्यों के स्वच्छता रैंकिंग में मध्य प्रदेश को दूसरे सबसे स्वच्छ राज्य का दर्जा मिला है। महाराष्ट्र इस मामले में पहले नंबर पर आया है।वहीं, स्वच्छ राज्यों में छत्तीसगढ़ तीसरे नंबर पर रहा। पिछले साल मध्य प्रदेश को देश का

सबसे स्वच्छ राज्य चुना गया था, जबकि छत्तीसगढ़ दूसरे नंबर पर था। इस तरह दोनों राज्यों की रैंकिंग एक-एक पायदान गिरी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण परिणामों के अनुसार, महाराष्ट्र के सासवड को एक लाख से कम आबादी वाले सभी शहरों में सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है, जबकि छत्तीसगढ़ के पाटन और महाराष्ट्र के लोनावाला को श्रेणी में दूसरी और तीसरी रैंक मिली है। इसके अलावा, भोपाल को देश की स्वच्छतम राज्य राजधानी का खिताब मिला है। भोपाल ने पिछले साल भी यह तमगा हासिल किया था।बता दें कि इंदौर को लगातार सातवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित 'स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2023' कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

'जैसा पंडित नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के साथ किया था' असम मुख्यमंत्री ने की अयोध्या निमंत्रण को अस्वीकार करने के लिए कांग्रेस की आलोचना

(आधुनिक समाचार सेवा)
गुवाहाटी ।गुवाहाटी राम मंदिर के अभिषेक समारोह में शामिल होने से कांग्रेस ने मना कर दिया है। अभिषेक समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने के बाद से ही कांग्रेस पर भाजपा सरकार निशाना साध रही है। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस को अपने पाप को कम करने का मौका दिया गया था, लेकिन पार्टी ने राम मंदिर अभिषेक समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। इतिहास इसे हिंदू विरोधी के रूप में याद रखेगी।मंदिर के अभिषेक समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने के बाद से ही कांग्रेस पर भाजपा सरकार निशाना साध रही है। इस बीचअसम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस को अपने पाप को कम करने का मौका दिया गया था लेकिन पार्टी ने राम मंदिर अभिषेक समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। इतिहास इसे हिंदू विरोधीवेज रूप में याद रखेगी।सीएम सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस शुरुआत से ही अयोध्या में राम मंदिर के बारे में अपने विचारों के लिए इस तरह के निमंत्रण की हकदार नहीं थी।उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, (विश्व हिंदू परिषद) ने अपने नेतृत्व को श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण देकर कांग्रेस पार्टी को अपना

पाप कम करने का एक सुनहरा अवसर दिया था।उन्होंने आगे कहा,हालांकि, मेरी विनम्र राय में, शुरुआत से ही राम मंदिर के खिलाफ अपने विचारों के लिए वे इस तरह के निमंत्रण के हकदार नहीं थे।सरमा ने कहा कि कांग्रेस इस निमंत्रण को स्वीकार करके प्रतीकात्मक रूप से हिंदू समाज से माफी मांग सकती थी। उन्होंने कहा, हालांकि, जैसा पंडित नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के साथ किया था, कांग्रेस नेतृत्व ने राम मंदिर के साथ भी वैसा ही किया। इतिहास उन्हें हिंदू विरोधी पार्टी के रूप में आंकता रहेगा।पोस्ट के साथ, सरमा ने कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश द्वारा जारी बयान को साझा किया, जिसमें पार्टी नेताओं सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी को दिए गए निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया गया था। रमेश ने कहा था कि भगवान राम को लाखों लोग पूजते हैं, लेकिन धर्म उनका निजी मामला है।कांग्रेस नेता ने कहा,आरएसएस/भाजपा ने लंबे समय से अयोध्या में मंदिर की राजनीतिक परियोजना बनाई है। भाजपा और आरएसएस के नेताओं द्वारा अधूरे मंदिर का उद्घाटन स्पष्ट रूप से चुनावी लाभ के लिए किया गया है।

मणिपुर में पावर स्टेशन से बड़ी मात्रा में फ्यूल लीक, नदियों तक फैलने से लोगों में दहशत पीने का पानी मिलना भी हुआ मुश्किल

(आधुनिक समाचार सेवा)
मणिपुर ।मणिपुर की इंफाल घाटी में एक बिजली स्टेशन से भारी फ्यूल लीक होने की बात सामने आई है। फ्यूल के लीक होने से वो साथ बहने वाली नदियों में फैल गया है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।बुधवार रात कांगपोकपी जिले

के लीमाखोंग पावर स्टेशन की है। स्थानीय अधिकारी ने कहा कि कांटो सबल और सेकमाई जैसे गांवों से गुजरने वाली नदियों में ईंधन के रिसाव से जलापूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि ये नदियां इम्फाल नदी से मिलती हैं, जो इस क्षेत्र की जीवन रेखा है। अब प्रभावित नदियों की सफाई का निर्देश दिया गया है।दरअसल, घटना बुधवार रात कांगपोकपी जिले के लीमाखोंग पावर स्टेशन की है। स्थानीय अधिकारी ने कहा कि कांटो सबल और सेकमाई जैसे गांवों से गुजरने वाली नदियों में ईंधन के रिसाव से जलापूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि ये नदियां इम्फाल नदी से मिलती हैं, जो इस क्षेत्र की जीवन रेखा हैं।वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने संबंधित विभागों को मशीनरी, जनशक्ति और विशेषज्ञता के संदर्भ में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके पर्यावरणीय आपदा को रोकने के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।एक अधिकारी ने कहा कि प्रभावित नदियों में पानी के प्रवाह को खेतों की ओर मोड़ने के लिए भारी मशीनरी तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि अभी यह तय नहीं हो पाया है कि इसमें शरारती तत्व शामिल थे या नहीं।स्थानीय लोगों ने कहा कि नदियों के पानी का उपयोग वे दैनिक कार्यों के लिए करते हैं।

प्रमाणिक की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाइ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक की 2018 में उनके खिलाफ दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया।सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक की 2018 में उनके खिलाफ दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका पर 12 जनवरी को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है।न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया और प्रमाणिक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पीएस पटवालिया से राज्य के वकील को याचिका की प्रति देने को कहा।उनकी याचिका को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।प्रमाणिक ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच के 4 जनवरी के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है, जिसमें उसने मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।संक्षिप्त सुनवाई के दौरान पटवालिया ने कहा, मैं एक सांसद हूं। हाई कोर्ट ने मुझे गिरफ्तारी से सुरक्षा देने से इनकार कर दिया है। मैं पहले तृणमूल कांग्रेस के साथ था और अब बीजेपी के साथ हूं। पश्चिम बंगाल में स्थिति बहुत अस्थिर है, इस मामले में मुझे गिरफ्तार किया जा सकता है, कृपया मुझे सुरक्षा प्रदान करें।पीठ ने कहा कि उनकी याचिका अभी भी उच्च न्यायालय में लंबित है और वह वहां क्यों नहीं जा सकते।पटवालिया ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी को तय की है लेकिन तब तक अगर कोई सुरक्षा नहीं मिली तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।पीठ ने कहा कि वह मामले को 12 जनवरी को सूचीबद्ध करेगी।प्रमाणिक के खिलाफ 2018 में पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के दिनहाटा पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था, जब लोगों के एक समूह ने तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर गोलीबारी की थी।गोलीबारी में एक व्यक्ति को कथित तौर पर गोली मार दी गई और वह घायल हो गया। प्रमाणिक ने अपनी याचिका में कहा कि एक मजिस्ट्रेट ने मामले में उनके खिलाफ वारंट जारी किया है।प्रमाणिक, जो पहले टीएमसी में थे, फरवरी 2019 में भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने हिंसा कराने के आरोप से इनकार किया था।उन्होंने 2019 में भाजपा के टिकट पर संसदीय चुनाव लड़ा था और कूच बिहार लोकसभा सीट जीती थी।

अबाड़ी मिनी गोवा में महिलाओं के सुविधा के नाम खानापूर्ति

(आधुनिक समाचार सेवा
सोनभद्र। - मिनी गोवा के नाम जाना जाने वाले स्थान सुविधाओ से वंचित , जहां विकास में नाम पर लूट गए लागत से सुंदरी कारण कराना था जिसमे अभिबताक कुछ दलहन को नही मिला। नए वर्ष 2024 के पहले है 25 दिसम्बर 2023 से मकरसंक्रांति खर्च के बाद भी जंगलों का सहारा लेना पड़ता है। जहां समाजिक दृष्टि से उचित नही है। फिर भी प्रशासनिक अधिकारी गण का ध्यान

लाखों । अदिवशियों ने बताया कि आने को तो बहुत अधिकारी आते है यहां पर सुनता कोई नही। विकास खंड चोपन अंतर्गत ग्राम पंचायत के अबाड़ी में मिनी गोवा के नाम से जाना जाने वाले पिकनिक स्पॉट पर गंदगी के साथ सैलानियों को घोर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लगभग 3 वर्ष पूर्व ही सुंदरीकरण के नाम पर जानकारी के अनुसार 30 लाख की तक सैलानियों की भीड़ देखने को मिलती है। वही नाव वर्ष से आज तक प्रत्येक दिन कई हजार सैलानी पिकनिक व प्रकृति के मनमोहक नजारे को देखने का लुफ्त उठाने के लिए पहुंचते है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा बना शौचालय महिला सैलानियों के लिए पेचीदा मामला बना हुआ है। मिनी गोवा में महिलाओं को नित्य क्रिया के लिए सरकार द्वारा लाखो कभी जन समस्याओं पर नही जाता।1 - स्थानीय निवासी बक्कल ने बताया कि यहां नए वर्ष में खुशियां मनाने हजारो लोग आते है परन्तु ग्राम पंचायत या जिला प्रशासन द्वारा कोई सुलभ व्यवस्था नही । 2- हरि सिंह ने बताया की यहां शौचालय तो बना लेकिन ताला बंद होने से बहन बेटियों को जंगल का सहारा लेना पड़ता है ।

मोदी गांरटी वाली गाड़ी के माध्यम से योजनाओं की प्राप्त करे जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा
मिर्जापुर ।10 जनवरी 2024- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित शत प्रतिशत योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत आज जनपद के विकास खण्ड पहाड़ी के ग्राम पंचायत भोजपुर तथा विकास खण्ड नरायनपुर के ग्राम पंचायत बरीजीवनपुर में चैपाल आयोजित कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपस्थित ग्रामीणो को दी गयी तथा किन्ही कारणो से वंचित पात्र लाभार्थियो को सम्बन्धित योजना में मौके पर ही आवेदन भी कराया गया। उपरोक्त दोनो ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत आयोजित चैपाल का शुभारम्भ मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में किसानो की फसलो में उरवरक व कीटनाशक दवाओ का ड्रोन के माध्यम से छिड़काव की विधि को मौके पर ही ड्रोन उड़ाकर उपस्थित ग्रामीणो एवं अन्य किसानों को दिखाया गया तथा ड्रोन के बारे में एवं छिड़काव विधि से कीटनाशक दवाओं के महत्व के बारे में जानकारी दी गयी।मा0 केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित ग्रामीणो एवं महिलाओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत

जनपद के 07 विकास खण्डो के 14 ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा चैपाल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौके पर सभी अधिकारी उपस्थित हैं हमारी माताएं बहने जो पात्र हैं किन्हीं कारणवश उन्हें आवास, वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना कि तहत निशुल्क गैस का कनेक्शन, बिजली, शौचालय आदि जिस किसी भी योजना का लाभ पाने से अभी वंचित रह गए हैं संबंधित स्टाल पर पहुंचकर अपना नाम दर्ज कराये मौके पर ही आपका आवेदन करते हुए पात्रता की जांच करते हुए आपको योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी का सपना है कि जो भी पात्र व्यक्ति है उसे शत प्रतिशत योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के साथ-साथ उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा भी महिला और बच्चों के लिए बहुत सी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस किसी भी के दो बच्चे हैं और उनमें से किसी बच्चों के माता या पिता की मृत्यु हो गई है तो उन्हें मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लगाये स्टाल पर आवेदन करे, योजना से लाभान्वित किया जाएगा, तथा बच्चियों के लिए कन्या सुमंगला योजना के तहत बच्ची के जन्म से उसकी शिक्षा दीक्षा, विवाह आदि के लिए भी सरकार सुविधा मुहैया करा रही है। सांसद स्वास्थ्य सेवा मेडिकल वैन की चर्चा करते हुए मा0 केंद्रीय मंत्री ने कहा यह वैन चलकर आपके गांव में आई है गाड़ी में स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मौजूद है जिस किसी भी को खांसी, जुखाम, सिरदर्द आदि समस्या हो जाकर अपना जांच कराये आपको निशुल्क दवा प्रदान की जाएगी यदि बीमारी गंभीर है तो आपको अस्पताल के लिए भी रेफर किया जाएगा एवं चैपाल में भी स्वास्थ्य विभाग का स्टार लगा हुआ है जिस किसी भी बुजुर्ग को शुगर या बीपी की दिक्कत है वह भी अपना परीक्षण करा लें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार तथा प्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रायः पात्र लाभार्थी योजना की जानकारी न होने के कारण भी लाभ पाने से वंचित रह जाते हैं मोदी की गारंटी वाली गाड़ी आपके गांव में चलकर आई है गाड़ी में लगे एलईडी स्क्रीन पर दिखाई जा रहे वीडियोएवं आडियो के माध्यम से दी जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और जिस किसी भी योजना के लाभ पाने से आप वंचित रह गए हैं।

सोन संगीत महोत्सव का हुआ आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वाधान में बुधवार की देर शाम रावटसगंज नगर पालिका स्थित विवेकानंद प्रेक्षा गृहं मैं सोन संगीत महोत्सव के आयोजन में सुर संगीत की महफिल सजी महोत्सव में देश की मानी जानी भोजपुरी लोक गायिका नंदिनी स्वराज ने अपनी मधुर आवाज का जादू बिखरे तो दर्शन झूम उठे जब नंदिनी ने जैसे ही गीत गाया मंदिर अब बनने लगा है भगवा रंग चढ़ने लगा है जब सुनाया तो लोग झूम उठे इसी क्रम में एक से बढ़कर एक गीत नंदिनी ने गाकर महफिल में चार चांद लगा कर लोगों का दिल जीत लिया लोगों वही गायक ओंकार सिंह ने हर हर महादेव शंभू काशी विश्वनाथ गंगे गाकर कार्यक्रम कागज किया लोगों ने तालियां की गड़गड़ाहट से स्वागत किया गीत गजल से पूर्व

सोन संगीत महोत्सव का दीप प्रजलन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद जी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक और भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी जी ने किया इस मौके पर भदोही के पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद गुप्ता जी रविंद्र केसरी जी माला चौबे अशोक चौबे सपा के नेता राम भरोसे सिंह पटेल अनिल द्विवेदी कृष्ण मुरारी गुप्ता कांग्रेस नेता जगदीश मिश्रा ब्रह्मम दुबे सपा नेता हिदायत खान लालता प्रसाद मिश्रा मिथिलेश मिश्रा अजीत जायसवाल संतोष मिश्रा रंजन पांडे अतुल सिंह पटेल आदि सभी लोग शामिल रहे कार्यक्रम का संचालन आशुतोष पांडे जी ने किया ईस मौके पर सोन संगीत फाउंडेशन के अध्यक्ष गायक सुशील मिश्रा ने आए हुए सभी अतिथियों का अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया

परीक्षा में फिर चूक, तीन प्रश्नपत्रों के पैकेट पर गलत समय

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। परीक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी परीक्षा केंद्रों को दिशा निर्देश जारी किया है। कहा है कि इन प्रश्नपत्रों की परीक्षा संशोधित समय सारिणी के अनुसार निर्धारित तिथि पर सुबह 9 से 10:30 बजे तक कराई जाए। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में लगातार गलतियां मिल रहीं हैं।

डीसीएम गाड़ी सहित तीन अन्तर्राज्यीय गांजा तस्करो कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा
सोनभद्र।सोनभद्र पुलिस का अनवरत प्रहार, मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले 03 अन्तर्राज्यीय/अन्तर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, एक डीसीएम से कुल 01 कुन्तल 44 किग्रा मादक पदार्थ गांजा (अनुमानित कीमत गांजा रु0 15 लाख) बरामद- आगामी चुनाव के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध सोनभद्र पुलिस के निरन्तर प्रहार की कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यायल) कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी घोरावल अमित कुमार के पर्यवेक्षण में दिनांक 10.01.2024 को थाना शाहगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर वाहन चेकिंग के दौरान ग्राम बनौरा में रॉबट्र्सगंज-शाहगंज मार्ग पर पुलिया के पास से 01 अदद डीसीएम वाहन संख्या- ध्3- 02 ध् 5536 से 03 अन्तर्राज्यीय/अन्तर्जनपदीय गांजा तस्कर को 01 कुन्तल 44 किग्रा अवैध गांजा (अनुमानित कीमत गांजा रु0-15 लाख) के साथ गिरफ्तार किया गया। इस गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0-05/2024 धारा 8/20 उझ्र्ण् का अभियोग पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।घटना का संक्षिप्त विवरण - दिनांक 10.01.2024 को थाना शाहगंज पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान 01 अदद डीसीएम वाहन संख्या- ध्3- 02 ध् 5536 में पुराने लोहे की मशीन व पाइप में छिपाकर उडिसा प्रांत से गांजा लेकर प्रयागराज जा रहे 03 अन्तर्राज्यीय/अन्तर्जनपदीय तस्करों को प्लास्टिक की 04 बोरियों में भरी कुल 01 कुन्तल 44 किलो अवैध गांजा (अनुमानित कीमत गांजा रु0 15लाख) के साथ गिरफ्तार किया गया विवरण पूछताछ- पकड़े गये अभियुक्तों द्वारा पूछताछ करने पर बताया गया कि डीसीएम मालिक निरंजन बग्घा व

राजेश सोनकर तथा सुनील बेहरा व हम लोगों नें एक राय होकर यह तय किया था कि बरहनपुर से लोहे की मशीन व पाइप लोड किया जायेगा तथा बिल्टी बनवाकर वापसी में जनपद अंगुल उड़िसा से उन्ही मशीन व पाइप में छिपाकर गांजा रख लिया जायेगा जिसे रास्ते में प्रयागराज में बेच दिया जायेगा ।गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण -1.प्रकाश माहखुड़ पुत्र बसन्त माहखुड़ निवासी मंगलपुर, कुसुपंगा, थाना कंटा बनिया, जनपद डेकानाल उड़िसा 26 वर्ष ।2.रश्मि रंजन सामल पुत्र अशोक सामल निवासी मंगलपुर, कुसुपंगा, थाना कंटा बनिया, जनपद डेकानाल उड़िसा उम्र लगभग 21 वर्ष ।3.राहुल सोनकर पुत्र लवकुश सोनकर निवासी 297/के सुलेम सराय, गौतमबुद्ध द्वार, थाना धूमनगंज, जनपद प्रयागराज उम्र लगभग 29 वर्ष ।वांछित अभियुक्तगण-1.निरंजन बग्घा पुत्र गनेश बग्घा निवासी हरे कृष्णापुर,थाना नयागढ़, जनपद नयागढ़. उड़िसा । 2.सुनील बहेरा पुत्र अज्ञात निवासी बनारपाल, जनपद अंगुल, उड़िसा ।3.राजेश सोनकर पुत्र कमलेश सोनकर निवासी चकिया सैनी, जनपद कौशाम्बी ।बरामदगी का विवरण-1. 01 कुन्तल 44 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा (अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये)2. 01 अदद डीसीएम संख्या- 02 5536 ।गिरफ्तारी /बरामदगी में सम्मिलित पुलिस टीम का विवरणः- 01.निरीक्षक श्री संजीव कुमार सिंह, प्रभारी एसओजी/सर्विलांस टीम, जनपद सोनभद्र। 02.थानाध्यक्ष श्री सूर्यभान, थाना शाहंगज, जनपद सोनभद्र ।03.उ0नि भानूप्रताप सिंह, थाना शाहंगज, जनपद सोनभद्र ।04.हे0का0 जगदीश मौर्या, हे0का0 अमर सिंह, हे0का0 सतीश सिंह पटेल, हे0का0 शशि प्रताप सिंह, का0 रितेश पटेल, का0 अजीत कुमार यादव, का0 प्रेमप्रकाश चौरसिया स्वाट/एसओजी टीम जनपद सोनभद्र ।05.हे0का0 सौरभ राय, हे0का0 प्रकाश सिंह, का0 अमित सिंह सर्विलांस टीम जनपद सोनभद्र ।06.हे0का0 पिन्टू सिंह, हे0का0 शिवप्रताप यादव, हे0का0 दिनेश कुमार सिंह थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र ।

थाना कोन पुलिस द्वारा 05 नफर वारंटी अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा
सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी ओबरा के पर्यवेक्षण में वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज

दिनांक-11.01.2024 को थाना कोन पुलिस द्वारा मु0नं0-2771/2023 धारा 5/26, 41/428 वन संरक्षण अधिनियम से सम्बन्धित 05 नफर वारण्टी 1. रामलाल पुत्र विश्वनाथ, 2. सीताराम पटेल पुत्र रामनरेश, 3. पृथ्वीनाथ पुत्र लल्लू, 4. अनिल गुप्ता पुत्र गोकुल गुप्ता, 5. शिवनारायण गुप्ता पुत्र नागेश्वर निवासीगण ग्राम सतदुआरी, थाना कोन, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1. प्र0नि0 लक्ष्मण पर्वत, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 वंशराज यादव, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 देवीदयाल गौतम, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 संजय चौहान, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 5. का0 विशाल गौतम, थाना कोन, जनपद सोनभद्र। 6. का0 मनीष कुमार यादव, थाना कोन, जनपद सोनभद्र।

आर्ट ऑफ लिविंग के योग ध्यान कार्यक्रम में पहुंचे नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी और सभासद

(आधुनिक समाचार सेवा
मिर्जापुर । आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ ही स्वस्थ शरीर के लिए हमे सभी प्रकार के नशे का भी त्याग करना होगा।इस शिविर में स्टेट कोर्डिनेटर बालकृष्ण एवं और आर्ट ऑफ लिविंग

दिवसीय योग ध्यान शिविर में नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।इस शिविर में सभी सभासदों को योग और नशा मुक्ति छुड़वाने के लिए विभिन्न जानकारी दी गई।संस्था के लोगो ने नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी को संकल्प भी दिलाया।इस मौके पर पालिकाध्यक्ष ने कहा की वर्तमान समय में योग द्वारा ही शारीरिक और मानसिक मजबूती मिलती है।हमारे सभी सभासद दिन भर वार्ड की जनसमस्याओं को लेकर व्यस्त रहते है।इस व्यस्त जीवन में शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना होगा।इसके के शिक्षक अनूप सिंह ने बताया कि योग ध्यान द्वारा मानसिक मजबूती मिलती है।इससे डोपामाइन 65ङ्म तक बढ़ जाती है और प्रसन्नता का अनुभव होता है जिससे नशा मुक्ति में मदद मिलती है।इस मौके पर इंद्रजीत सिंह,राम यादव,राकेश यादव,राजेश सोनकर, गोवर्धन यादव,सतीश उपाध्याय,धीरज सोनकर,रतन बिंद,अजय मोदनवाल,रूपेश यादव,नीरज गुप्ता,रमन सिंह,राजकुमार दुबे,मो गुलजार,शशिधर साहु,राधेश्याम जायसवाल,शिव सोनी,आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक उत्कर्ष पांडे ,संजीव केसरी, डॉक्टर तपन अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

सिविल कैंप लगाकर योजनाओं की दी जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा
सोनभद्र।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश संगठन के द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोक कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गुरुवार को नमो एप विधानसभा रॉबट्र्सगंज के मंडल रॉबट्र्सगंज नगर में कैंप लगाकर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के नेतृत्व में पीएम विश्वकर्म योजना के बारे में सबको जानकारी दी गई साथ ही नमो ऐप डाउनलोड करवाया गया जिसमें प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री द्वारा हर वर्ग जात धर्म के लोगों के लिए चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी योजनाओं को पहचाने और योजनाओं की जानकारी देने को लोगों को प्रेरित किया गया दूर दराज गांव देहात से आए शिविर कैंप में सम्मिलित हुए लोगों को भी योजनाओं के विषय में विस्तार पूर्वक बताया गया पीएम मोदी द्वारा हर योजनाओं को उन तक पहुंचाने के लिए कटुबद्ध भाजपा सरकार भाजपा पदाधिकारी को उन तक पहुंचाने के लिए तमाम योजनाओं कैंप सिविल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे यह संकल्प पीएम मोदी के नेतृत्व में हर भाजपा पदाधिकारी लेकर कार्य कर रहा है इस मौके पर अमन वर्मा, आलोक रावत,राज कुमार ,अमित भारती, संजय कुमार ,राम कुमार , दिनेश भारती।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कर स्वास्थ्य योजनाओं के प्रगति कार्य की समीक्षा कर ली जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा
मिर्जापुर । 10 जनवरी 2024- मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कर स्वास्थ्य

विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति के बारे में समीक्षा की। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारी विन्ध्याचल के बैठक अनुपस्थित रहने व खराब प्रगति, प्रभारी चिकित्साधिकारी गुरूसण्डी, प्रभारी चिकित्साधिकारी चुनार, पटेहरा, चील्ह की प्रगति खराब होने पर शो-काज नोटिस जारी करने का निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया। उन्होने कहा कि सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष जो भी डाटा अपलोड नही करेगा इसके विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये। उन्होने कहा कि आपके अधीन जो भी आपरेटर कार्य नही कर रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करने का निर्देश दिया। ए0एन0सी0 की समीक्षा के दौरान गुरूसण्डी तथा चुनार की प्रगति खराब होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये निदेशित किया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति में सुधार लाये। उन्होने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सी0एच0सी0 मे कार्य कराने हेतु मदवार प्राप्त बजट का शत प्रतिशभ उपभोग करते हुये कार्य कराया जाय। जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान गुरूसण्डी में 04 प्रतिशत भुगतान लम्बित होने पर निर्देशित किया गया लम्बित भुगतान यथाशीघ्र निस्तारण कराया जाय। बैठक में मातृ मृत्यु आडिट की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी एम0ओ0आई0सी0 मृत्यु के कारण को गम्भीरता से लेते हुये इसको रोकने हेतु समुचित कार्यवाही करें। बैठक में आर0सी0एच0 स्टेटस, परिवार कल्याण के अन्तर्गत असफल नसबन्दी की क्षतिपूर्ति, लाभार्थियों के विवरण, एस0एम0सी0यू0, महिला चिकित्सालय, एन0आर0सी0 मण्डलीय चिकित्सालय, एन0बी0एस0यू0 आदि के बेड की स्थिति, दवाओं की उपलब्धतता की समीक्षा की गयी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि प्रायः देखा जा रहा है स्कूलों में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिये चिकित्सकों की टीम नही जा रही है मुख्य चिकित्साधिकारी आर0बी0एस0के0 टीम नियमानुसार स्कूलों में भेजते हुये बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराये। बैठक में राष्ट्रीय अन्धतता एवं दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, वेक्टर जनित रोग, क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, इमरजेंसी मेडिकल ट्रांसपोट सर्विस एम्बुलेंस 108, 102 सहित प्रत्येक बिन्दुओं पर समीक्षा कर प्रगति लाने का निर्देश दिया। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट आलोक प्रसाद, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सी0एल0 वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मण्डलीय अस्पताल, सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी, सभी खण्ड विकास अधिकारी सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

मैच के बीच मिले दो दिल, घुटने के बल बैठकर लड़के ने किया प्रपोज, ग्लेन मैक्सवेल ने भी दी कपल को बधाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। क्रिकेट मैच के दौरान दो दिलों को मिलते हुए देखना दर्शकों के लिए अब आम सी बात हो गई है। ऐसा ही कुछ नजारा बिग बैश लीग 2023 में मेलबर्न स्टार्स और मेलबर्न रेनिगेड्स के बीच खेले गए मुकाबले में देखने को मिला। जहां एक लड़के ने घुटने के बल बैठकर लड़की को प्रपोज कर दिया, जिसका जवाब लड़की ने हां में दिया। मैच के बाद इस कपल को ग्लेन मैक्सवेल की ओर से भी बधाई मिली। बिग बैश लीग में एक लड़के ने घुटने के बल बैठते हुए लड़की को प्रपोज किया। दरअसल यह नजारा मेलबर्न स्टार्स की पारी के दौरान उस वक्त देखने को मिला जब चैनल के एंकर दर्शकों के बीच मौजूद थे। एंकर के सवाल का जवाब देते वक्त लड़का घुटने के बल बैठ गया और उसने लड़की को रिंग के साथ प्रपोज कर दिया। दरअसल, यह नजारा मेलबर्न स्टार्स की पारी के दौरान उस वक्त देखने को मिला, जब चैनल के एंकर दर्शकों के बीच मौजूद थे। लड़के ने मेलबर्न स्टार्स की टी-शर्ट पहन रखी थी, जबकि लड़की मेलबर्न रेनिगेड्स को सपोर्ट कर रही थी। इसी बात को एंकर ने नोटिस किया और यह सवाल इस कपल से पूछा। हालांकि, एंकर के सवाल का जवाब देते वक्त लड़का घुटने के बल बैठ गया और उसने लड़की को रिंग के साथ प्रपोज कर दिया। लड़की पूरी तरह से हैरान रह गई, पर उसने अपना जवाब हां में दिया। मैच के बाद इस कपल को मेलबर्न स्टार्स के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल से मिलने का मौका भी मिला। मैक्सवेल ने कपल के साथ तस्वीर भी क्लिक करवाई, जिसको होस्टिंग चैनल ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट भी किया है। बता दें कि लड़के ने इंटरव्यू के दौरान बताया था कि वह मैक्सवेल का काफी बड़ा फैन है और इसी वजह से वह मेलबर्न स्टार्स को सपोर्ट कर रहा है। ध्बारिश से प्रभावित मुकाबले में मेलबर्न रेनिगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के सामने जीत के लिए 14 ओवर में 98 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न की शुरुआत अच्छी नहीं रही और डेनियल लॉरेंस सिर्फ 7 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद वेबस्टर भी सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद क्रीज पर उतरे कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने मोर्चा संभाला और अगली 15 गेंदों में मैच का रुख पलटकर रख दिया। मैक्सवेल ने सिर्फ 15 गेंदों का सामना करते हुए 213 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 32 रन ठोके। इस दौरान कंगारू बैटर के बल्ले से 2 चौके और तीन गगनचुंबी छक्के निकले। मैक्सवेल ने यह तीन सिक्स एडम जम्पा के खिलाफ लगातार गेंदों पर लगाए। मेलबर्न स्टार्स की ओर से ग्लेन मैक्सवेल के अलावा थॉमस रोजर्स ने भी अहम पारी खेली। रोजर्स एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने 34 गेंदों पर 46 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान रोजर्स ने 7 चौके जमाए और मैक्सवेल संग मिलकर तीसरे विकेट के लिए तेज तर्रार अर्धशतकीय साझेदारी जमाई, जिसके चलते मेलबर्न की टीम 8 विकेट से बाजी मारने में सफल रही।

केपटाउन में सचिन तेंदुलकर के एक और बड़े रिकॉर्ड के करीब पहुंचेंगे कोहला धोनी-सहवाग को पीछे छोड़ेंगे केएल राहुल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच केपटाउन में दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 3 जनवरी से होना है। रोहित की पलटन सेंचुरियन में मिली हार का हिसाब केपटाउन में चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम को अगर दूसरे टेस्ट में जीत का स्वाद चखना है, तो किंग कोहली को अपना 'विराट' अवतार धारण करना होगा। विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका की धरती पर अब तक खेली 16 पारियों में 52.06 के दमदार औसत से 833 रन कूटे हैं। विराट अगर केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में 167 रन बनाने में सफल रहते हैं तो वह साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर एक हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। केएल राहुल के पास धोनी को पीछे छोड़ने का मौका होगा। कोहली का बल्ला पहले टेस्ट में भी बोला था और उन्होंने दूसरी इनिंग में 76 रन की दमदार पारी खेली थी। टीम को जीत दिलाने के साथ-साथ विराट के पास सचिन तेंदुलकर के एक और बड़े रिकॉर्ड के करीब पहुंचने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका की धरती पर अब तक खेली 16 पारियों में 52.06 के दमदार औसत से 833 रन कूटे हैं। विराट अगर केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में 167 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर एक हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि कोहली सचिन तेंदुलकर के बड़े रिकॉर्ड के करीब भी आ जाएंगे। भारत की ओर से साउथ अफ्रीका में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है, जिन्होंने यहां पर खेले 15 टेस्ट मैचों की 28 इनिंग्स में 46.44 की औसत से 1161 रन बनाए हैं। मास्टर ब्लास्टर के बल्ले से इस दौरान पांच सेंचुरी और तीन फिफ्टी निकली है। कोहली को सचिन से आगे निकलने के लिए 328 रन बनाने होंगे, जो थोड़ा मुश्किल नजर आता है। साउथ अफ्रीका की धरती पर भारत की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में केएल राहुल अभी 10वें नंबर पर हैं। राहुल ने मेजबान देश में अब तक कुल 361 रन कूटे हैं और उनका बैटिंग एवरेज 30.08 का रहा है। राहुल दूसरे टेस्ट में अगर 10 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह एमएस धोनी को पीछे छोड़ देंगे। माही के नाम साउथ अफ्रीका में 370 रन दर्ज हैं। राहुल वीरेंद्र सहवाग से भी आगे निकल सकते हैं, जिन्होंने कुल 382 रन बनाए हैं।

टेस्ट और टी20 में ओवररेटेड टीम इंडिया, विराट कोहली की कप्तानी में ही किया था वर्ल्ड क्रिकेट पर राज', पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सनसनीखेज बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज कृष्णमचारी श्रीकांत का गुस्सा टीम इंडिया पर फूट पड़ा है। श्रीकांत ने भारतीय टीम को सेंचुरियन में मिली हार के बाद आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने रोहित की पलटन को टेस्ट और टी-20 क्रिकेट में ओवररेटेड टीम करार दिया है। सिर्फ इतना ही नहीं, पूर्व खिलाड़ी का कहना है कि क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में वर्ल्ड क्रिकेट पर टीम इंडिया ने विराट कोहली की कप्तानी में ही राज किया था भारत के पूर्व बल्लेबाज कृष्णमचारी श्रीकांत ने टीम इंडिया की जमकर क्लास लगाई है। पूर्व क्रिकेटर ने रोहित की पलटन को ऊ्रू और ऊ20 क्रिकेट में ओवरेटेड टीम तक बता दिया है। इसके साथ ही उनका कहना है कि टेस्ट में भारतीय टीम का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन ड्डी ख्द्दप्त्ग् की कप्तानी में रहा। उन्होंने आईसीसी रैंकिंग पर भी ध्यान ना देने की बात कही है। पूर्व बल्लेबाज ने भारतीय टीम को टी-20 क्रिकेट में भी ओवरेटेड करार दिया। उन्होंने कहा, ठटी-20 क्रिकेट में भारतीय टीम बहुत ओवररेटेड है। वनडे क्रिकेट में हमारी टीम दमदार है। एकदिवसीय क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल में जो हुआ, वो बस एक मैच की बात है। वो एक लक की बात है और ऐसे मैचों में आपको किस्मत का साथ चाहिए होता है। मैंने रोहित शर्मा का बयान पढ़ा, एक क्रिकेटर के लिए 50 ओवर का वर्ल्ड कप काफी बढ़ा होता है। श्रीकांत ने आगे कहा, ठहम कभी-कभार नॉकआउट मैचों में उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं, लेकिन वनडे क्रिकेट में हम एक शानदार टीम हैं। चाहे हम दुनिया में कहीं भी खेलें। हमको आईसीसी रैंकिंग को भूलना होगा। हम हमेशा ही दुनिया की नंबर एक या दूसरी टीम रहते हैं। यह एक ओवररेटेड क्रिकेटर्स और कुछ लोगों का कॉम्बिनेशन है, जो अपनी काबिलियत के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। इसके साथ ही कुलदीप यादव जैसे प्लेयर्स भी हैं, जिनको पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं।

बिग बैश में आया ग्लेन मैक्सवेल का तूफान,एडम जम्पा के खिलाफ लगाई छक्कों की हैट्रिक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी-20 लीग बिग बैश में ग्लेन मैक्सवेल ने बल्ले से जमकर कोहराम मचाया। मैक्सवेल ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मेलबर्न रेनिगेड्स के गेंदबाजी अटैक से खूब खिलवाड़ किया। कंगारू बल्लेबाज ने एडम जम्पा को भी निशाना पर लिया और उनके खिलाफ लगातार तीन छक्के जमाए। मैक्सवेल की धुआंधार पारी के बूते मेलबर्न स्टार्स ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में 8 विकेट से जीत का स्वाद चखा। बारिश से प्रभावित मुकाबले में मेलबर्न रेनिगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के सामने जीत के लिए 14 ओवर में 98 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हालांकि 2 विकेट गिरने के बाद क्रीज पर उतरे कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने मोर्चा संभाला और अगली 15 गेंदों में मैच का रुख पलटकर रख दिया। बारिश से प्रभावित मुकाबले में मेलबर्न रेनिगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के सामने जीत के लिए 14 ओवर में 98 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न की शुरुआत अच्छी नहीं रही और डेनियल लॉरेंस सिर्फ 7 रन बनाकर चलते बने। इसके बाद वेबस्टर भी सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद क्रीज पर उतरे कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने मोर्चा संभाला और अगली 15 गेंदों में मैच का रुख पलटकर रख दिया। मैक्सवेल ने सिर्फ 15 गेंदों का सामना करते हुए 213 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 32 रन ठोके। इस दौरान कंगारू बैटर के बल्ले से 2 चौके और तीन गगनचुंबी छक्के निकले। मैक्सवेल ने यह तीन सिक्स एडम जम्पा के खिलाफ लगातार गेंदों पर लगाए। मेलबर्न स्टार्स की ओर से ग्लेन मैक्सवेल के अलावा थॉमस रोजर्स ने भी अहम पारी खेली। रोजर्स एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने 34 गेंदों पर 46 रन की नाबाद पारी खेली।

रोहित शर्मा की वजह से नंबर तीन पर खेलने को मजबूर शुभमन गिल भारतीय कप्तान ने खुद किया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में शुभमन गिल ओपनिंग की जगह पर नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे थे। गिल करने रोहित शर्मा की वजह से आना पड़ा था। हिटमैन ने दूसरे टेस्ट मैच के आगाज से पहले इस बात का खुद खुलासा किया है। भारतीय कप्तान ने शुभमन गिल की तारीफ करते हुए

को सेंचुरियन में यह पोजिशन बिल्कुल भी रास नहीं आई थी और वह पहली इनिंग में 2 और दूसरी में 26 रन बनाकर चलते बने थे। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच केपटाउन में 3 जनवरी से खेला जाना है। मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान रोहित शर्मा ने बताया है कि क्यों शुभमन गिल नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने के लिए पहले टेस्ट में उतरे थे। हिटमैन ने कहा कि उनको निजी तौर पर इस पोजिशन पर खेलने से खासी नफरत है। हालांकि, गिल को नंबर तीन की पोजिशन पर बैटिंग कहा कि वह काफी स्मार्ट क्रिकेटर हैं और वह अपनी बल्लेबाजी को बखूबी समझते हैं। उन्होंने कहा, ठगिल बहुत ही स्मार्ट हैं और वह अपनी बैटिंग को काफी अच्छे से समझते हैं। वह नंबर तीन पर खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में इस पोजिशन पर बैटिंग की है। उन्होंने ओपनिंग सिर्फ लिमिटेड ओवर क्रिकेट में ही की है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में ओपन किया है, पर वह यह उनका खुद का फैसला था। उनको लगता है कि वह इस पोजिशन पर हमारे लिए अच्छा कर सकते हैं।

राशीफल

मेष-: इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।

वृष-: इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के अवसर नजर आ रहे हैं।

मिथुन-: मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी

कर्क-: सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना

सिंह-: सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में

कन्या-: इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में

तुला-: नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों

वृश्चिक-: इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें। किसी पुराने दोस्त से

धनु-: नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।

मकर-: परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव

कुंभ-: मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा। शत्रुओं पर

मीन-: पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

एलिसा हीली और फोएब लिचफील्ड की ओपनिंग जोड़ी ने किया कमाल, भारत के खिलाफ बना डाला अद्भुत रिकॉड

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई महिला बैटर्स एलिसा हीली और फोएब लिचफील्ड ने बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के खिलाफ सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड बनाया। हीली और लिचफील्ड ने पहले विकेट के लिए 189 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की ओपनर्स एलिसा हीली और फोएब लिचफील्ड ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ वनडे में सबसे बड़ी ओपनिंग जोड़ी बनाने का रिकॉर्ड बनाया है। हीली और लिचफील्ड की जोड़ी ने बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए तीसरे व अंतिम वनडे में पहले विकेट के लिए 189 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया पहले ही मौजूदा वनडे सीरीज अपने नाम कर चुकी है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और हीली व लिचफील्ड ने यह फैसला एकदम सही साबित किया। दोनों ने केवल 173 गेंदों में 189 रन की साझेदारी की। हीली-लिचफील्ड ने एलेक्स ब्लैकवेल और मेग लेनिंग का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2012 में वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के खिलाफ ओपनिंग जोड़ी के रूप में 180 रन जोड़े थे। भारतीय टीम की महिला गेंदबाज विकेट लेने के लिए तरसती रही जबकि ऑस्ट्रेलियाई महिला बैटर्स ने स्कोरबोर्ड को लगातार चलाए रखा। पहले वनडे में बिना खाता खोले आउट होने वाली एलिसा हीली ने आठ पारियों के बाद पहला अर्धशतक जमाया। हीली और लिचफील्ड ने लगातार दमदार प्रदर्शन करके मेजबान टीम से मैच को दूर किया।पूजा वस्त्राकर ने पारी के 29वें ओवर की पांचवीं गेंद पर एलिसा हीली को क्लीन बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। हीली ने 85 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 82 रन बनाए। इस विकेट के बाद भारतीय टीम को वापसी करने का मौका मिला, जिसने 216 रन के स्कोर तक कंगारू टीम के चार विकेट गिरा दिए। हालांकि, लिचफील्ड एक छोर पर डटी रही और अपना शतक पूरा किया। फोएब लिचफील्ड को मौजूदा सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम की खोज माना गया, जिन्होंने पारी के 37वें ओवर में अपना शतक पूरा किया। लिचफील्ड ने पहले और दूसरे वनडे में अर्धशतक जमाए थे। लिचफील्ड के शतक की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट खोकर 338 रन बनाए, जो कि भारत के खिलाफ वनडे में उसका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। भारतीय टीम ने वनडे प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार 9 मैच गंवाएं हैं। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम मौजूदा सीरीज में 0-2 से पीछे है और उस पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय टीम ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया को अपने घर में वनडे में 2007 में मात दी थी। यह मुकाबला चेन्नई में खेला गया था।

एक फोटो के कारण भारतीय क्रिकेटर को हुआ 1 करोड़ रुपये का नुकसान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 मिनी ऑक्शन के दौरान सुमित कुमार नामक क्रिकेटर को 1 करोड़ रुपये में खरीदा था। झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज सुमित कुमार की बेस प्राइस 20 लाख रुपये थी। सच्चाई यह निकली कि दिल्ली कैपिटल्स ने इसी नाम के हरियाणा के खिलाड़ी को 1 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि प्रसारणकर्ता ने सुमित कुमार की फोटो नीलामी के समय दिखाई।आईपीएल 2024 नीलामी का आयोजन 19 दिसंबर को दुबई के कोका कोला एरीना में सफलतापूर्वक हुआ। नीलामी के दौरान कई युवाओं का दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग में खेलने का सपना साकार हुआ। कई युवाओं को फ्रेंचाइजी ने मोटी रकम पर खरीदा। इसी तरह एक खिलाड़ी हैं झारखंड के विकेटकीपर बल्लेबाज सुमित कुमार। सुमित कुमार की बेस प्राइस 20 लाख रुपये थी, जिन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने 1 करोड़ रुपये में खरीदा था। सुमित की मां ने अपने बेटे को फोन पर यह खुशखबरी सुनाई। मां की आंखें खुशी से गीली थीं। हालांकि, परिवार का आनंद ज्यादा देर नहीं टिका क्योंकि सुमित ने पता किया कि दिल?ली कैपिटल्स ने किसी और क्रिकेटर का फोटो पोस्ट किया, जो कि हरियाणा से है और उन्हें शुभकामनाएं दी। हरियाणा के इस क्रिकेटर का नाम भी सुमित कुमार है। विकेटकीपर बल्लेबाज ने यह खुलासा अपनी मां के सामने किया। मां को यह जानकर बहुत बुरा लगा कि एक फोटो के कारण उनका बेटा इतनी बड़ी गलती का शिकार हो गया। मां के आंसूओं को रोक पाना बेहद मुश्किल हो रहा था। सुमित कुमार ने टीओआई से बातचीत में कहा, ''मेरी मां बहुत खुश थीं। वो लगातार मेरे लिए प्रार्थना कर रही थीं। मगर यह कैसे संभव हुआ मैं मानता हूं कि नाम एक जैसे हो सकते हैं, लेकिन टीवी स्क्रीन पर फ्लैश हुए फोटो का क्या मेरी फोटो वहां थी, मेरा नाम वहां था।'' सुमित ने साथ ही खुलासा किया कि नीलामी प्रसारणकर्ता ने बोली के समय उनका फोटो दिखाया। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी मां को भावुक होने से रोकने में नाकाम रहा। वो बहुत ज्यादा भावुक थीं। वो मेरा नाम और फोटो टीवी पर देखकर बहुत खुश थीं। फिर यह हैरानीभरी घटना घट गई। दिल्ली कैपिटल्स बड़ी टीम है।

आधुनिक समाचार परिवार की तरफ से सभी देशवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

MARGARET LEASK MEMORIAL ENGLISH SCHOOL JHANSI

सभी नगरवासियों /क्षेत्रवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

सभी नगरवासियों /क्षेत्रवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

डा0 ए.के.राय
हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ
ए0डी0ए0 रोड निकट आर0आर0बी0 कॉनवेट स्कूल ए0डी0ए0 कालोनी, नैनी, प्रयागराज
मो0- 9839909264, 639069699, 6391696999

सभी नगरवासियों /क्षेत्रवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
ईविंग क्रिश्चियन पब्लिक सिनियर सेकेन्ड्री स्कूल, मुठ्ठीगंज, प्रयागराज

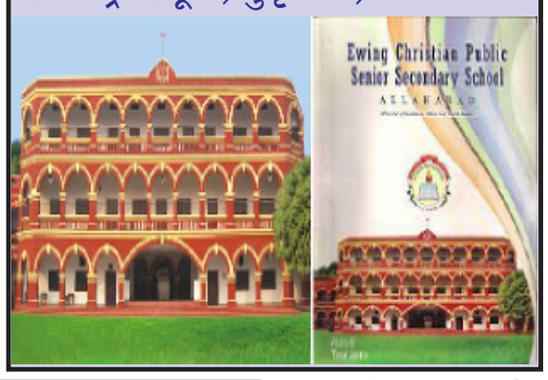

सभी नगरवासियों /क्षेत्रवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
बिशप जॉनसन स्कूल एण्ड कालेज
सिविल लाईन, प्रयागराज

सभी नगरवासियों /क्षेत्रवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

क्राइस्ट चर्च कॉलेज लखनऊ

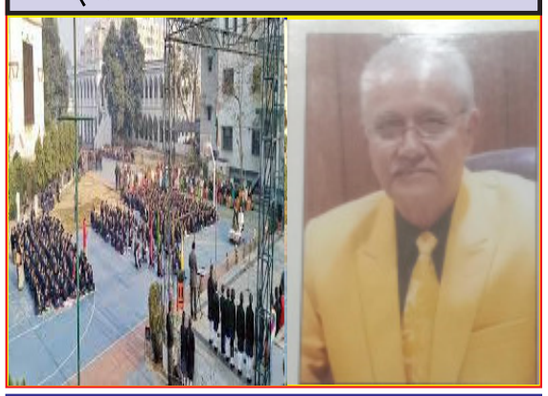

समस्त जनपद वासीयों को नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
बिशप जॉनसन स्कूल एण्ड कालेज, कटरा, प्रयागराज

प्रियदर्शिनी सिंह
प्रधानाचार्या

सभी नगरवासियों /क्षेत्रवासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं

Affiliated to I.C.S.E
St. Mark's College
Jhansi

समस्त जनपद वासीयों को नववर्ष एवं मकर संक्रान्ति की हार्दिक शुभकामनाएं
जमुना क्रिश्चियन जूनियर हाई स्कूल

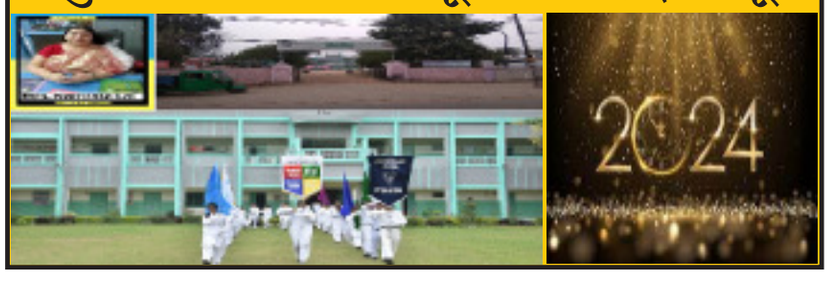

पहली बार पर्दे पर धमाल मचाएंगी ये बॉलीवुड की जोड़ियां, हिला देंगी बॉक्स ऑफिस

(आधुनिक सामाचार सेवा)

नई दिल्ली। वैसे तो बॉलीवुड में हर साल नई-नई जोड़ियां सिल्वर स्क्रीन पर दर्शकों का मनोरंजन करने आती हैं, लेकिन साल 2023 में कई बड़ी भक्त रावण के किरदार में नजर आने वाले हैं। उनकी ये पैन-इंडिया फिल्म जून, 2023 में रिलीज होगी। इस माइथोलॉजिकल ड्रामा की फैंस कृति और प्रभास की केमिस्ट्री देखने के

जोड़ी पहली बार पर्दे पर साथ आकर फैंस का मनोरंजन करने वाली हैं। वहीं, फैंस भी अपनी इन पसंदीदा जोड़ियों की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ नई जोड़ियों के बारे में जो साल 2023 में हमारी स्क्रीन पर अपनी परफॉर्मेंस से आग लगा देंगी। ओम राउत के निर्देशन में बन रही बिग बजट फिल्म आदिपुरुष में साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ अभिनेत्री कृति सेनन नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वो प्रभास भगवान श्रीराम के स्वरूप में नजर आएंगे, जबकि कृति माता सीता की भूमिका में नजर आने वाली हैं। वहीं, सैफ अली खान शिव लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सारा अली खान और विक्की कौशल जल्द ही लक्ष्मण उटेकर की मोस्ट अवेटेड अनटाइटल फिल्म में स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं। उनकी इस फिल्म की शूटिंग एमपी के इंदौर में की गई है। हालांकि अभी निर्माताओं ने अपनी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म सालार से बाहुबली अभिनेता प्रभास और श्रुति हासन के नजर आने वाली हैं। जानकारी के अनुसार, यह पैन इंडिया फिल्म गैंगस्टर ड्रामा पर आधारित होगी। प्रभास और श्रुति हासन अभिनीत यह फिल्म 28 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लव रंजन की अपकमिंग फिल्म तू झूठी मैं मक्कार से श्रद्धा कपूर और रणबीर कपूर पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर रोमांस करते हुए नजर आने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स
एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608783/10
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।